गणेशाय नमः

2026-2027

- पंचांग श्रवणम (भारत)

चांद्रमान आधारित हिंदी, मराठी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल नव वर्ष

- पराभव नाम संवत्सर शक वर्ष **1948**
- सिद्धार्थ नाम संवत्सर विक्रमी वर्ष **2083**

कर्ता

पंडित महेश शास्त्रीजी

पंचांग गणितज्ञ और पंचांग सिद्धांती

सिएटल, वाशिंगटन, संयुक्त गणराज्य अमेरिका

mypanchang.com

mypanchang.com

पंचांग श्रवण फल

तिथेश्च श्रियमाप्नोति वारादायुष्यवर्धनम्।
नक्षत्रात् हरते पापं योगात् रोगनिवारणम् ।।
करणात् कार्यसिद्धिः स्यात् पञ्चाङ्गफलमुत्तमम्।
एतेषां श्रवणान्नित्यं गङ्गास्नानफलं भवेत् ।।

तिथि धन देती है, वार लंबी उम्र देता है, नक्षत्र पापों को दूर करता है, योग बीमारियों को ठीक करता है, और करण कर्मों में सफलता देता है। जो व्यक्ति ऊपर बताई गई बातों को जानकर कर्म करता है, उसे भगवान का आशीर्वाद मिलता है।

भारत लिए नवनायक

नव नायक	भारत
शक संवत्सर	पराभव
विक्रमी संवत्सर	सिद्धार्थ
राजा (राजू)	गुरु (बृहस्पति)
मंत्री (प्रधान मंत्री)	मंगल
मेघेश	चंद्र
फसलों के स्वामी (सस्येश)	गुरु (बृहस्पति)
सेनापति	चंद्र
वित्त मंत्रालय (धनेश)	गुरु (बृहस्पति)
रसाधिपति	शनि
अनाज के स्वामी (रबी फसलें -धन्येश)	बुध
खनिजों के स्वामी (निरसेश)	गुरु (बृहस्पति)
फलों के स्वामी (फलेश)	चंद्र
संवत्सर का वाहन	नाव
आर्द्रा नक्षत्र प्रवेश	कन्या - बुध
वर्ष लग्न स्वामी	मीन - गुरु
जगत लग्न स्वामी	वृषभ - शुक्र

mypanchang.com

मकर संक्रांति फल

	भारत (इंडिया)
नाम	नंदा / मंदा
आगमन	पश्चिम
गमन	पूर्व
मुख	उत्तर
दृष्टि	दक्षिण पूर्व (अग्नि)
खुशी	ब्राह्मण (शिक्षित वर्ग)
वाहन	हाथी
(उपवाहन)	गधा
कपड़ों का रंग (वस्त्र)	लाल
तिलक	गोरोचन
जाति	पशु
पुष्प	बाली (गेंदा)
आयु (वाय – आयु)	मध्यम आयु
भोजन	दूध
आभूषण	गोमेद
भोजन पात्र	सीसा
ब्लाउज (कंचुकी वस्त्र)	सफ़ेद
स्थिति	बैठक
आयुध	धनुष और बाण

mypanchang.com

भारत के लिए नव नायक फल

शक संवत्सर पराभव	लोगों को राजा से परेशानी होगी, न्यायपालिका और कार्यकारी अधिकारी सख्त होंगे और सज़ा देंगे, कभी-कभी यह बहुत ज़्यादा लग सकता है।
विक्रमी संवत्सर सिद्धार्थी	अच्छी बारिश होगी, सरकार स्थिर रहेगी, अच्छी पैदावार होगी।

भारत के लिए नव नायक फल

राजा (राजू) गुरु (बृहस्पति)	राजा गुरु सूर्य का वेध है, धन संचय में बाधाएं या बैंकिंग और कानूनी मामलों में देरी, गुरुओं, शिक्षकों या पारंपरिक अधिकारियों के साथ संघर्ष। राज्य के प्रमुख और न्यायपालिका के बीच टकराव बढ़ेंगे। कट-थ्रोट प्रतिस्पर्धा। मोदी जी के इस्तीफे की बात होगी, लेकिन ऐसा होता नहीं दिखता। प्रधानमंत्री को बाधाओं का सामना करना पड़ेगा, पार्टी सहयोगियों के साथ घर्षण। साहसिक, गुप्त रणनीतियां और संभावित सैन्य या घरेलू सुरक्षा टकराव। मोदी जी राजनीतिक हमलों से बचेंगे और निर्णायक, सुधार-उन्मुख कार्यकाल जारी रखेंगे। उन्हें अपने सलाहकारों और तथाकथित धर्म गुरुओं से सावधान रहना चाहिए। यह अवधि उनकी आर्थिक विरासत के लिए "गेम-चेंजर" है, जहां वे वैश्विक वित्तीय अस्थिरता के बीच रक्षा और बुनियादी ढांचे में कड़े सुधारों की ओर मुड़ेंगे।

भारत के लिए नव नायक फल

मंत्री (प्रधान मंत्री) मंगल (अंगारक)	चोर सक्रिय रहेंगे, रोग बढ़ेंगे।
बादलों के स्वामी (मेघेश) चंद्र (चंद्रमा)	अधिक वर्षा होगी, शांति और स्थिरता बनी रहेगी।

भारत के लिए नव नायक फल

फसलों के स्वामी (सस्येश) गुरु (बृहस्पति)	गन्ने का उत्पादन बढ़ेगा, अच्छी वर्षा होगी, दूध और जूस का उत्पादन प्रचुर होगा। किसानों की आय में वृद्धि होगी।
सेनापति चंद्र	लोग समाज में अपनी इज्जत/सम्मान बनाए रख सकेंगे। कानून और व्यवस्था अच्छी तरह से बनी रहेगी। मध्यम वर्ग की आय में वृद्धि होगी। लोग सरकार की प्रशंसा करेंगे।
वित्त मंत्रालय (धनेश) गुरु	लोगों की आय बढ़ेगी, व्यापार बेहतर होगा, नए व्यापारिक क्षेत्र/मोर्चे खुलेंगे। सरकार व्यापार और वाणिज्य को सुगम बनाएगी / सहायता प्रदान करेगी।
द्रवों का स्वामी (रसेसाधिपति) शनि	जानवरों की बीमारियाँ बढ़ेंगी।
धान्येश (रबी फसलें - शीतकालीन फसलें) बुध	रसदार फसलों/उत्पादों (फल-सब्जियों आदि) का बाजार अच्छा रहेगा, सरकारी नीतियां किसानों की मदद करेंगी।

mypanchang.com

भारत के लिए नव नायक फल

खनिजों के स्वामी (निरसेश) गुरु (बृहस्पति)	मेटल, कपड़े और ट्रेड सेक्टर में तेज़ उछाल से तेज़ी देखने को मिलेगी।
फलों के स्वामी (फलेश) -- चंद्र	सरकारी नीतियां कृषि के लिए अनुकूल रहेंगी, सुख-शांति और प्रसन्नता छाई रहेगी।
संवत्सर का वाहन नाव	प्रोडक्शन पर असर पड़ेगा, आतंकवादी गतिविधियां बढ़ेंगी, जासूस तोड़फोड़ करने की कोशिश करेंगे।
अरुद्र नक्षत्र प्रवेश कन्या – बुध	कुछ हिस्सों में कम वर्षा होगी। कुल मिलाकर अच्छी वर्षा होगी।
मकर संक्रांति फलम	सैन्य गतिविधियां बढ़ेंगी, युद्ध जैसी स्थिति बनेगी, दुर्घटनाएं होंगी। समृद्धि और सफलता प्राप्त होगी। लोगों को सुख-शांति मिलेगी। लोग धर्म और ईश्वर में श्रद्धा रखेंगे। व्यापार और वित्तीय क्षेत्र फल-फूलेंगे।

आय व्यय तालिका (भारत)

नक्षत्र	आय	व्यय	परिणाम
अश्विनी	14	2	नुकसान
भरणी	8	11	मुश्किल
कृतिका	11	2	बदनाम
रोहिणी	8	5	बदनाम
मृगशीर्ष	14	2	नुकसान
आर्द्रा	2	11	बदनाम
पुनर्वसु	11	8	मुश्किल
पुष्य	5	11	नुकसान
आश्लेषा	14	8	आदर
मघा	14	2	नुकसान
पूर्वाफाल्गुनी	8	11	मुश्किल
उत्तराफाल्गुनी	11	2	बदनाम
हस्त	8	5	बदनाम

mypanchang.com

आय व्यय तालिका (भारत)

नक्षत्र	आय	व्यय	परिणाम
चित्रा	14	2	नुकसान
स्वाति	2	11	बदनाम
विशाखा	11	8	मुश्किल
अनुराधा	5	11	नुकसान
ज्येष्ठा	14	8	आदर
मुल	14	2	नुकसान
पूर्वाषाढ़ा	8	11	मुश्किल
उत्तराषाढ़ा	11	2	बदनाम
श्रवण	8	5	बदनाम
धनिष्ठा	14	2	नुकसान
शतभिषा	2	11	बदनाम
पूर्वाभाद्रपद	11	8	मुश्किल
उत्तराभाद्रपद	5	11	नुकसान
रेवती	14	8	आदर

mypanchang.com

आय व्यय तालिका (भारत)

राशि	आय	व्यय	सम्मान	अपमान
मेष	11	5	2	4
वृषभ	5	14	5	4
मिथुन	8	11	1	7
कर्क	2	11	4	7
सिंह	5	5	7	3
कन्या	8	11	3	3
तुला	5	14	6	3
वृश्चिक	11	5	2	6
धनु	14	11	5	6
मकर	2	8	1	2
कुम्भ	2	8	4	2
मीन	14	11	7	5

mypanchang.com

त्रैमासिक या चतुर्मासिक फल (भारत)

नक्षत्र	चैत्र - आषाढ़	श्रावण - कार्तिक	मार्गशीर्ष - फाल्गुन
अश्विनी	4	0	0
भरणी	7	1	2
कृतिका	2	2	4
रोहिणी	5	0	1
मृगशीर्ष	0	1	3
आर्द्रा	3	2	0
पुनर्वसु	6	0	2
पुष्य	1	1	4
आश्लेषा	4	2	1
मघा	7	0	3
पूर्वाफाल्गुनी	2	1	0
उत्तराफाल्गुनी	5	2	2
हस्त	0	0	4

mypanchang.com

त्रैमासिक या चतुर्मासिक फल (भारत)

नक्षत्र	चैत्र - आषाढ़	श्रावण - कार्तिक	मार्गशीर्ष - फाल्गुन
चित्रा	3	1	1
स्वाति	6	2	3
विशाखा	1	0	0
अनुराधा	4	1	2
ज्येष्ठा	7	2	4
मुल	2	0	1
पूर्वाषाढ़ा	5	1	3
उत्तराषाढ़ा	0	2	0
श्रवण	3	0	2
धनिष्ठा	6	1	4
शतभिषा	1	2	1
पूर्वाभाद्रपद	4	0	3
उत्तराभाद्रपद	7	1	0
रेवती	2	2	2

नोट: ऑड नंबर आपको फाइनेंशियल गेन देंगे, ईवन नंबर अच्छे और बुरे दोनों रिजल्ट देंगे,
जब नंबर ज़ीरो होगा, तो यह कोई रिजल्ट नहीं देगा, नॉइल रिजल्ट।

जगत लग्न फलम -- भारत
(जन्म लग्न पर आधारित)

राशि	परिणाम
मेष	दु:ख व दारिद्रता
वृषभ	अच्छा स्वास्थ्य
मिथुन	दर्द और दुख, अस्पताल के दौरे
कर्क	समग्र खुशी, लाभ
सिंह	धन और सम्मान
कन्या	कानूनी मदद, धार्मिकता, धन में बढ़ोतरी
तुला	बीमारियाँ, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ
वृश्चिक	विवाह, प्रेम
धनु	शत्रुओं पर विजय
मकर	प्रसव, परिवार में वृद्धि
कुम्भ	दोस्तों से फ़ायदा, नए दोस्त बनाना।
मीन	परिवार के सदस्यों में वृद्धि

mypanchang.com

मिथुन गुरु फल

जन्म चंद्र राशि (चंद्र राशि) 1

जून 2026

राशि	परिणाम
मेष	ज़िंदगी में बहुत सी चीज़ों से बचने की कोशिश करें, स्ट्रेस से बचें।
वृषभ	रुकावटें खत्म हो जाएंगी और आपको जीवन के सभी मामलों में सपोर्ट मिलेगा।
मिथुन	जीवन में बदलाव लाता है, तनावपूर्ण समय।
कर्क	लंबी दूरी की जगहों, तीर्थयात्राओं, विरासतों, हेल्थ प्रॉब्लम पर जाने का मन है।
सिंह	हाई होने का समय है, हर जगह फ़ायदा है।
कन्या	उम्मीद के मुताबिक होना ज़रूरी है, नहीं तो पोजीशन का नुकसान होता है
तुला	चीज़ें सुलझ जाएंगी, सफलता मिलेगी, अच्छी सेहत मिलेगी, आशीर्वाद मिलेगा।
वृश्चिक	ज़्यादा काम करने या बेवजह घूमने की वजह से थकान।
धनु	शादियां, बच्चे पैदा हो सकते हैं।
मकर	दुश्मनों से चुनौतियाँ, डिप्रेशन और निराशा।
कुम्भ	बुद्धि, ज्ञान, शक्ति, पद, अधिकार की प्राप्ति।
मीन	घर से दूर रहना, घूमना, ध्यान करने की कोशिश करना, पैसे का फ़ायदा

mypanchang.com

कर्क गुरु फल

जन्म चंद्र राशि (चंद्र राशि)

१ जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026

राशि	परिणाम
मेष	घर से दूर रहना, घूमना, ध्यान करने की कोशिश करना, पैसे का फ़ायदा
वृषभ	ज़िंदगी में बहुत सी चीज़ों से बचने की कोशिश करें, स्ट्रेस से बचें।
मिथुन	रुकावटें खत्म हो जाएंगी और आपको जीवन के सभी मामलों में सपोर्ट मिलेगा।
कर्क	जीवन में बदलाव लाता है, तनावपूर्ण समय।
सिंह	लंबी दूरी की जगहों, तीर्थयात्राओं, विरासतों, हेल्थ प्रॉब्लम पर जाने का मन है।
कन्या	हाई होने का समय है, हर जगह फ़ायदा है।
तुला	उम्मीद के मुताबिक होना ज़रूरी है, नहीं तो पोजीशन का नुकसान होता है
वृश्चिक	चीज़ें सुलझ जाएंगी, सफलता मिलेगी, अच्छी सेहत मिलेगी, आशीर्वाद मिलेगा।
धनु	ज़्यादा काम करने या बेवजह घूमने की वजह से थकान।
मकर	शादियां, बच्चे पैदा हो सकते हैं।
कुम्भ	दुश्मनों से चुनौतियाँ, डिप्रेशन और निराशा।
मीन	बुद्धि, ज्ञान, शक्ति, पद, अधिकार की प्राप्ति।

mypanchang.com

सिंह गुरु फल

जन्म चंद्र राशि (चंद्र राशि)

31 अक्टूबर से 24 जनवरी 2027 तक

राशि	परिणाम
मेष	बुद्धि, ज्ञान, शक्ति, पद, अधिकार की प्राप्ति।
वृषभ	घर से दूर रहना, घूमना, ध्यान करने की कोशिश करना, पैसे का फ़ायदा
मिथुन	ज़िंदगी में बहुत सी चीज़ों से बचने की कोशिश करें, स्ट्रेस से बचें।
कर्क	रुकावटें खत्म हो जाएंगी और आपको जीवन के सभी मामलों में सपोर्ट मिलेगा।
सिंह	जीवन में बदलाव लाता है, तनावपूर्ण समय।
कन्या	लंबी दूरी की जगहों, तीर्थयात्राओं, विरासतों, हेल्थ प्रॉब्लम पर जाने का मन है।
तुला	हाई होने का समय है, हर जगह फ़ायदा है।
वृश्चिक	उम्मीद के मुताबिक होना ज़रूरी है, नहीं तो पोजीशन का नुकसान होता है
धनु	चीज़ें सुलझ जाएंगी, सफलता मिलेगी, अच्छी सेहत मिलेगी, आशीर्वाद मिलेगा।
मकर	ज़्यादा काम करने या बेवजह घूमने की वजह से थकान।
कुम्भ	शादियां, बच्चे पैदा हो सकते हैं।
मीन	दुश्मनों से चुनौतियाँ, डिप्रेशन और निराशा।

mypanchang.com

कर्क गुरु फल

जन्म चंद्र राशि (चंद्र राशि)

24 जनवरी 2027

राशि	परिणाम
मेष	घर से दूर रहना, घूमना, ध्यान करने की कोशिश करना, पैसे का फ़ायदा
वृषभ	ज़िंदगी में बहुत सी चीज़ों से बचने की कोशिश करें, स्ट्रेस से बचें।
मिथुन	रुकावटें खत्म हो जाएंगी और आपको जीवन के सभी मामलों में सपोर्ट मिलेगा।
कर्क	जीवन में बदलाव लाता है, तनावपूर्ण समय।
सिंह	लंबी दूरी की जगहों, तीर्थयात्राओं, विरासतों, हेल्थ प्रॉब्लम पर जाने का मन है।
कन्या	हाई होने का समय है, हर जगह फ़ायदा है।
तुला	उम्मीद के मुताबिक होना ज़रूरी है, नहीं तो पोजीशन का नुकसान होता है
वृश्चिक	चीज़ें सुलझ जाएंगी, सफलता मिलेगी, अच्छी सेहत मिलेगी, आशीर्वाद मिलेगा।
धनु	ज़्यादा काम करने या बेवजह घूमने की वजह से थकान।
मकर	शादियां, बच्चे पैदा हो सकते हैं।
कुम्भ	दुश्मनों से चुनौतियाँ, डिप्रेशन और निराशा।
मीन	बुद्धि, ज्ञान, शक्ति, पद, अधिकार की प्राप्ति।

mypanchang.com

मीन शनि फल (जन्म चंद्र राशि – चंद्र राशि)

	ढाई साल	साढ़े साती	आधार	परिणाम
मेष	-	हाँ (प्रमुख)	लोहा	लापरवाही, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, विवाह संबंधी समस्याएं, वित्तीय नुकसान, सरकारी परेशानियां
वृषभ	-		-	वित्तीय लाभ
मिथुन	-	-	-	कमजोरी
कर्क	-	-	-	लापरवाही
सिंह	हाँ	-	लोहा	हेल्थ प्रॉब्लम, शादी से जुड़ी प्रॉब्लम, पैसे का नुकसान, सरकारी परेशानियां।
कन्या	-	-	-	यात्रा
तुला	-	-	-	पाना
वृश्चिक	-	-	-	वित्तीय क्षति
धनु	हाँ	-	लोहा	हानि, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, विवाह संबंधी समस्याएं, वित्तीय हानि, सरकारी परेशानियां
मकर	-		-	वित्तीय लाभ
कुम्भ	-	हाँ (पैर)	चाँदी	खर्च में कमी, बिज़नेस में तरक्की, परिवार में शादी, सरकार से फ़ायदा
मीन	-	हाँ (छाती)	सोना	बीमारियाँ, परिवार से परेशानी, दुश्मन, झगड़े, खर्च

mypanchang.com

कुंभ राहु फल
(जन्म चंद्र राशि) 5 दिसंबर 2026 तक

मेष	आपको कामयाबी मिले
वृषभ	चिंता
मिथुन	आशंका
कर्क	मुसीबतों
सिंह	पाना
कन्या	चिंता
तुला	दु: ख
वृश्चिक	धन हानि
धनु	सरकारी परेशानियाँ
मकर	श्रेष्ठ
कुम्भ	धन हानि
मीन	स्वास्थ्य का मसला

mypanchang.com

मकर राहु फल
(जन्म चंद्र राशि) 5 दिसंबर 2026 से

मेष	चिंता
वृषभ	आशंका
मिथुन	मुसीबतों
कर्क	पाना
सिंह	चिंता
कन्या	दु: ख
तुला	धन हानि
वृश्चिक	सरकारी परेशानियाँ
धनु	श्रेष्ठ
मकर	धन हानि
कुम्भ	स्वास्थ्य का मसला
मीन	आपको कामयाबी मिले

mypanchang.com

दुनिया

अगस्त 2026 चंद्र और सूर्य ग्रहण के कारण सीरिया और पाकिस्तान के लिए बुरा रहेगा।

रूस यूक्रेन मुद्दा जल्द ही सुलझने वाला नहीं है।

मई 2026 में रूस के लिए विदेशी संबंधों में कड़वाहट आ सकती है: अंतरराष्ट्रीय रिश्तों पर गंभीर पाबंदियां लग सकती हैं, जिसके कारण आर्थिक प्रतिबंध और कड़े हो सकते हैं या पुराने महत्वपूर्ण समझौते टूट सकते हैं।

राहु का 7 वें भाव से गोचर और केतु का लग्न में होना बताता है कि ईरान दुनिया के मंच पर भले ही आक्रामक और ताकतवर दिखे (राहु), लेकिन देश में उसकी नींव धीरे-धीरे खत्म हो रही है (केतु), जिससे देश के अचानक अंदर ही अंदर गिरने का खतरा बहुत ज़्यादा है।

ईरान: देश के कानूनी और धार्मिक ढांचे (9th House) की "आग से सफाई" की जाती है, जहाँ मौजूदा कानूनों पर सख्ती से रोक लगाई जाती है या उन्हें फिर से लिखा जाता है ताकि मिलिट्री (Mars) की कंट्रोल की ज़रूरत पूरी हो सके।

दुनिया

पाकिस्तान: 5 दिसंबर 2026 के बाद राहु सेंट्रल लीडरशिप में पावर के लिए एक कभी न मिटने वाली, अक्सर अफरा-तफरी वाली चाहत पैदा करेगा, जिससे अलग तरह का शासन या एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर में अचानक, चौंकाने वाले "तख्तापलट" होंगे।

पाकिस्तान: घरेलू शांति भंग होना, जिसके कारण अक्सर इलाका खोना या बड़े पैमाने पर देश के अंदर माइग्रेशन/विस्थापन होता है।

2027: चीन में उग्र राष्ट्रवाद का दौर आएगा और वह अपनी राष्ट्रीय पहचान को नए सिरे से संवारने पर बहुत अधिक, लगभग एक जुनून की तरह ध्यान देगा। इसके कारण वहां की लीडरशिप (नेतृत्व) शायद कुछ अलग तरह के या अधिक जोखिम भरे फैसले ले सकती है।

तुर्की: राहु और केतु देश के खजाने की स्थिति में भारी उतार-चढ़ाव का संकेत दे रहे हैं। इसके कारण देश की मुद्रा (पैसों) की कीमत बहुत गिर सकती है या अचानक बहुत भारी विदेशी कर्ज का बोझ बढ़ सकता है।

सऊदी अरब के अपने पड़ोसियों के साथ संबंध खराब हो जाएंगे।

दुनिया

सत्ता में परिवर्तन: पुराने संस्थान, सरकारें और **सामाजिक श्रेणी व्यवस्था** (social hierarchy) पिछले उदाहरणों की तरह समाप्त हो सकते हैं। यह राजनीतिक अस्थिरता, सरकार में बदलाव या 20वीं सदी की भू-राजनीतिक (geopolitical) व्यवस्था के टूटने के रूप में दिख सकता है। विशेष रूप से रूस (जो शासन संकट और आंतरिक विभाजन का सामना कर रहा है) या दक्षिण भारत (जहाँ आर्थिक पुनर्गठन और सामाजिक आंदोलन हो रहे हैं) जैसे क्षेत्रों में। दुनिया भर में, बदलते गठबंधनों, सीमा विवादों और सत्ता (authority) को मिलने वाली चुनौतियों की अपेक्षा करें। यदि सीमाएँ अनियंत्रित रूप से समाप्त होती हैं, तो इससे कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है या सत्ता का दुरुपयोग हो सकता है।

mypanchang.com

दुनिया

तकनीक और हकीकत का अंतर मिटाने वाली प्रगति: यह बदलाव तकनीक में ऐसी बड़ी छलांग के साथ आएगा जो असली और बनावटी चीज़ों के बीच का अंतर खत्म कर देगा। उम्मीद है कि 'बनावटी बुद्धिमत्ता' (AI) और कंप्यूटर के जरिए चीज़ों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का चलन बढ़ेगा, जिससे असली और नकली की पहचान करना मुश्किल हो जाएगा और दुनिया भर में गलत जानकारियां फैलेंगी। इससे नए आविष्कारों को बढ़ावा तो मिल सकता है, लेकिन साथ ही लोगों के मन में भ्रम भी पैदा हो सकता है—जैसे 'जागते हुए सपने' में जीना, जहाँ सच और झूठ आपस में मिल जाते हैं।

दुनिया

सामाजिक और विचारधारा में उथल-पुथल: दूर की सोच वाले आंदोलन, बड़े विद्रोह और आज़ादी की लड़ाई बढ़ सकती है, जो सहानुभूति (नेपच्यून) और अनुशासन (शनि) के बीच टकराव की वजह से हो सकती है। हालांकि, यह टकराव आदर्शवादी बुलबुले भी फोड़ सकता है, जिससे निराशा, प्रोपेगैंडा और धर्म या राजनीति जैसी संस्थाओं में विश्वास का संकट पैदा हो सकता है। ज़ुल्म के खत्म होने की थीम क्रांति या युद्ध को बढ़ावा दे सकती है, खासकर मेष राशि की मार्शल एनर्जी संघर्षों को बढ़ाएगी।

दुनिया

पर्यावरण और मानवीय चिंताएं: शनि और नेपच्यून का ग्रहों का योग ठंड, नमी, तेल, गैस और प्रदूषण से जुड़ा है। यह संकेत देता है कि आने वाले समय में मौसम खराब हो सकता है, समुद्र से जुड़े खतरे बढ़ सकते हैं या फिर ऐसी महामारियां फैल सकती हैं जो बड़ी आबादी को प्रभावित करें। अच्छी बात यह है कि यह दुनिया भर में एक-दूसरे की मदद करने और ठोस योजनाएं बनाने की कोशिशों को बढ़ावा देगा। लोग आपसी सीमाओं को भुलाकर एकजुट होंगे ताकि पर्यावरण और मानवता पर आने वाले इन संकटों का मिलकर सामना किया जा सके।

दुनिया

कुल मिलाकर, यह समय चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ **भ्रम, अस्थिरता और निराशा का गहरा आघात** ला सकता है - परंतु यह मेल समाज को **अधिक करुणा और नवाचार** (Innovation) के साथ पुनर्विचार करने के मार्ग भी प्रशस्त करता है। इसके प्रभाव **राष्ट्रीय कुंडली** और अन्य **ग्रह गोचरों** के अनुसार भिन्न-भिन्न होते हैं, लेकिन मुख्य बल इन परिवर्तनों के बीच **रणनीतिक अनुकूलन** (Strategic Adaptation) पर है।

दुनिया

दुनिया भर में टकराव और आपसी सहयोग: दुनिया भर में विचारों और संसाधनों (जैसे तेल, पानी) को लेकर झगड़े होने की आशंका है। इनमें आमने-सामने की जंग के बजाय छिपकर लड़ी जाने वाली लड़ाइयाँ या कंप्यूटर के जरिए फैलाई गई मानसिक जंग शामिल हो सकती है। साथ ही बाढ़ और प्रदूषण जैसी प्राकृतिक आपदाएं और दवाओं या बिजली-पानी के क्षेत्र में आर्थिक झटके लग सकते हैं। इन सबके बीच, मानवता को बचाने के लिए मिलकर कोशिशें भी होंगी। ज्योतिष के अनुसार, मीन राशि में मंगल की स्थिति एक 'तेज़ लहर' की तरह असर दिखाएगी—जो पुरानी सीमाओं को तोड़ सकती है, बड़ी संस्थाओं के भ्रम को दूर करेगी और तकनीक या आध्यात्म के क्षेत्र में नई लेकिन थोड़ी उथल-पुथल वाली सफलताएं लाएगी।

भारत

सरकार लंबे समय से चले आ रहे कानूनी विवादों या आंतरिक सुरक्षा खतरों को सुलझाने में व्यस्त रहेगी।

तटीय बाढ़ या जल-संबंधी आपदाओं का खतरा रहेगा, लेकिन जनता के लिए मिट्टी/भूमि उत्पादक बनी रहेगी।

इस वर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की परीक्षा होगी, खासकर "वात" (हवा/नसों) से संबंधित रोगों या जनता में पुरानी बीमारियों के मामले में।

राष्ट्रीय मूड अनुशासन और संयम का होगा। जनता को "प्रतिबंधित" महसूस हो सकता है, लेकिन यह दबाव भविष्य के लिए मजबूत नींव बनाने का काम करेगा।

छिपे हुए घोटाले या गहरे राष्ट्रीय रहस्य सामने आ सकते हैं, जिससे देश दुनिया के सामने खुद को पेश करने के तरीके में बदलाव आएगा।

भारत

भारत प्रतिकूल परिस्थितियों से शक्ति प्राप्त करेगा। देश को आर्थिक या स्वास्थ्य-संबंधी संकट का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इससे अधिक मजबूत और आधुनिक प्रणालियों के साथ उभरेगा।

व्यापार से कमाई गई धनराशि तुरंत लंबी अवधि के बुनियादी ढांचे, रक्षा या कर्ज चुकाने में पुनर्निवेश होगी।

राष्ट्र के लिए भावनात्मक तीव्रता और आध्यात्मिक फोकस वाला वर्ष।

कार्यकारी शाखा (नेतृत्व) पूर्ण रूप से मौजूद रहेगी; प्रधानमंत्री/केंद्रीय सत्ता एकमात्र केंद्र बिंदु होगी।

राष्ट्र "तपस्या" या कठिन परिश्रम की अवधि से गुजरेगा; संरचनात्मक बदलाव प्रतिबंधक लगेंगे लेकिन नींव मजबूत करेंगे।

भारत

जनभावना अत्यधिक अस्थिर होगी और नेतृत्व के प्रत्यक्ष संदेशों से गहराई से प्रभावित होगी।

सांस्कृतिक कूटनीति और सॉफ्ट पावर की ओर मजबूत धक्का; भारत की वैश्विक छवि अधिक "परिष्कृत" होगी।

बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाएं (शनि) और शहरी सौंदर्यीकरण (शुक्र) बढ़ेंगे।

प्रथम भाव की भीड़ से संकेत मिलता है कि राष्ट्र अपनी मूल पहचान को "पुनर्परिभाषित" कर रहा है, अधिक पारंपरिक या धर्म-केंद्रित ढांचे की ओर बढ़ रहा है।

शनि और सूर्य के साथ होने से शीर्ष नेताओं के स्वास्थ्य या शारीरिक सहनशक्ति पर भारी दबाव रहेगा।

भारत

सरकार "सख्त माता-पिता" जैसी ऊर्जा से काम करेगी—रक्षात्मक लेकिन सख्त अनुशासन की मांग करने वाली।

उच्च-तकनीकी हथियारों और खुफिया जानकारी के लिए आयात और रक्षा पर भारी खर्च।

रुपये के मूल्य में अनियमित उतार-चढ़ाव।

कल्याण योजनाएं राष्ट्रीय पहचान और नागरिक कर्तव्य से सीधे जुड़ी होंगी।

कराधान: "छिपी" संपत्ति या ऑफशोर खातों की ट्रैकिंग पर फोकस रहेगा।

mypanchang.com

भारत

आवास बाजार में बुनियादी आर्थिक स्थिरता और तरलता रहेगी।

उद्यमी पहले से कहीं अधिक राज्य संरक्षण या सब्सिडी की मांग करेंगे।

प्रथम भाव में सूर्य/शनि होने से आम आदमी की क्रय शक्ति "दबी" रहेगी।

बृहस्पति संपत्ति बाजार के लिए "तकिया" प्रदान करेगा, पूर्ण दुर्घटना को रोकेगा।

बुध (वक्री/12वें भाव में) डिजिटल मुद्रा या फिनटेक नियमों की बड़ी "पुनर्मूल्यांकन" का संकेत देता है।

12वें भाव में मंगल, राहु, बुध की त्रिकोणीय युति: यह कुंडली का सबसे खतरनाक हिस्सा है। उच्च-स्तरीय जासूसी और साइबर युद्ध का संकेत।

भारत

छिपे दुश्मन: 12वें में राहु और मंगल "गुप्त" दुश्मनों या गैर-राज्य अभिकर्ताओं द्वारा बड़े व्यवधान की योजना का संकेत।

सीमा पर झड़पें: अचानक, अप्रत्याशित सैन्य गतिविधियां (मंगल/राहु) जो भविष्यवाणी करना मुश्किल।

पड़ोसियों (पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल) के साथ कुछ कूटनीतिक प्रयास विफल हो सकते हैं या "अनुवाद में खो" सकते हैं; संधियां होंगी लेकिन सम्मान नहीं मिलेगा।

इस वर्ष भारत वैश्विक राजनीति में "एकाकी भेड़िया" दृष्टिकोण अपनाएगा, अन्य राष्ट्र भारत का अनुसरण करेंगे।

मीन राशि में शनि और शुक्र (जल राशि) भारतीय महासागर में बड़े समुद्री निर्माण का संकेत देते हैं।

बुध की स्थिति इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल खुफिया पर अधिक निर्भरता के खिलाफ चेतावनी देती है।

भारत

अंतरिक्ष कूटनीति: 12वें भाव की समस्याओं के बावजूद, प्रथम भाव में सूर्य भारत को उपग्रह प्रौद्योगिकी में प्रमुख खिलाड़ी बनाए रखेगा।

शरणार्थी मुद्दे: 12वें भाव का क्लस्टर पड़ोसी सीमाओं से अचानक लोगों की आमद ट्रिगर कर सकता है।

भूकंप: मुंडेन कुंडली में प्रथम भाव (लग्न) में शनि राजधानी क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधि का क्लासिक संकेतक है।

जल आपदाएं: मीन (प्रथम) और 12वें भाव का क्लस्टर (कुंभ) तटों पर भारी बाढ़ या सुनामी का संकेत।

मौसम चरम: सूर्य/शनि साथ होने से "असमय" मौसम—अत्यधिक ठंड या अचानक गर्म लहरें।

शहरी योजना: पुरानी शहरों को "पुनः प्राप्त" करने या प्राचीन धरोहर स्थलों को नवीनीकृत करने का वर्ष।

भारत

खनिज संपदा: प्रथम भाव में शनि खनन में नई खोजों का संकेत, विशेषकर दुर्लभ खनिजों में।

शुक्र प्रथम भाव में (कुछ प्रणालियों में उच्च/मीन) उच्च-कॉन्सेप्ट, आध्यात्मिक या ऐतिहासिक फिल्मों के लिए "स्वर्ण युग" लाएगा।

कानूनी सुधार: बृहस्पति की दृष्टि कानूनी प्रणाली और उत्तराधिकार कानूनों की सफाई का संकेत।

महामारी: 12वें भाव का क्लस्टर "हवा से फैलने वाली" या "रक्त-संबंधी" बीमारियों की चेतावनी; सरकार बहुत प्रतिबंधक होगी।

शिक्षा: शुद्ध अकादमिक डिग्री की बजाय "व्यावसायिक" प्रशिक्षण की ओर बदलाव।

राष्ट्रीय गौरव: प्रथम भाव में सूर्य आंतरिक संघर्षों के बावजूद "भारत की अवधारणा" को अविश्वसनीय रूप से मजबूत रखेगा।

भारत

2026 भारत के लिए विस्तार का वर्ष नहीं, बल्कि सीमाओं को लॉक करने और आंतरिक संरचना को मजबूत करने का है।

शनि-सूर्य संघर्ष: शनि (जनता/श्रम) और सूर्य (शासक) एक ही भाव में "तंग" चुनाव का संकेत। सरकार मजबूत है, लेकिन श्रमिक वर्ग से दिखाई देने वाला घर्षण।

लग्न में सूर्य (अधिकार/राजा) का होना सत्ताधारी सरकार को कथा पर बहुत मजबूत, केंद्रीकृत नियंत्रण बनाए रखने का संकेत देता है।

मंगल, राहु, बुध का क्लस्टर विपक्ष द्वारा "अपरंपरागत" या गुप्त तरीकों (डेटा लीक, विदेशी प्रभाव) से चुनाव अस्थिर करने का संकेत।

क्षेत्रीय प्रदर्शन: चतुर्थ भाव में बृहस्पति (मिथुन) सरकार "हृदय स्थल" या केंद्रीय राज्यों में अच्छा प्रदर्शन करेगी, कल्याण और आवास योजनाओं से आधार मजबूत करेगी।

प्रचार और मीडिया: 12वें में बुध सरकार के आधिकारिक संचार में तकनीकी खामियों या "छिपे" अभियानों से बाधा का संकेत, जिनका मुकाबला करना मुश्किल।

भारत

गठबंधन स्थिरता: प्रथम में शनि सत्ताधारी दल को "पुराने रक्षकों" और पारंपरिक संरचनाओं पर निर्भर रहना पड़ेगा, नई चमकदार गठबंधनों की बजाय।

मतदाता भागीदारी: प्रथम भाव में चंद्रमा अत्यधिक भावुक मतदाताओं का संकेत। लोग "पहचान" और "सुरक्षा" के आधार पर वोट करेंगे, सिर्फ आर्थिक आंकड़ों पर नहीं।

जगत लग्न संधि बिंदु पर है; राष्ट्र बड़े संरचनात्मक परिवर्तन के कगार पर है।

लोहे की मुट्ठी वाली प्रशासन: सरकार आंतरिक असहमति के प्रति "शून्य-सहनशीलता" नीति लागू करेगी, मंगल-शनि ऊर्जा से नागरिक व्यवस्था लागू करेगी।

तकनीकी ओवरहॉल: सिविल सेवाओं में अनिवार्य डिजिटल परिवर्तन, पारंपरिक नौकरशाही को AI-आधारित निगरानी से बदलना (बुध/शनि)।

भारत

सैन्यीकृत बुनियादी ढांचा: रणनीतिक सीमा सुरंगों और पुलों का रिकॉर्ड समय में पूरा होना, उच्च प्राथमिकता सैन्य परियोजनाओं के रूप में।

श्रम कानून क्रांति: राज्य कठोर नए श्रम कोड लागू करेगा जो यूनियन मांगों से ज्यादा औद्योगिक उत्पादकता को प्राथमिकता देगा।

रेल और बंदरगाह उछाल: राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स को आधुनिक बनाने का बड़ा, सफल धक्का, व्यापार लागत में काफी कमी।

कॉर्पोरेट जवाबदेही: भ्रष्ट कॉर्पोरेट घरानों और कर चोरी करने वाली संस्थाओं पर उच्च-प्रोफाइल "सर्जिकल स्ट्राइक"।

न्यायिक गति: निवेशक विश्वास बनाए रखने के लिए वाणिज्यिक विवादों को तेजी से निपटाने की नई प्रणाली।

आंतरिक सुरक्षा: गृह मंत्रालय उन्नत "शतभिषा" निगरानी तकनीक से स्लीपर सेल्स को कार्य करने से पहले निष्क्रिय करेगा।

mypanchang.com

भारत

आर्थिक लाभ: भारत राष्ट्रीय बजट में रिकॉर्ड अधिशेष देखेगा, मुख्यत: कर अनुपालन और निर्यात शुल्क से।

रक्षा निर्यात नेता: पहली बार भारत स्वदेशी मिसाइल और ड्रोन प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण वैश्विक निर्यातक बनेगा।

मुद्रा प्रभुत्व: रुपया कम से कम 5-10 और राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय व्यापार के लिए व्यवहार्य विकल्प बनेगा।

अरबपति वृद्धि: स्व-निर्मित तकनीक और विनिर्माण अरबपतियों की संख्या में उछाल, "इंडिया इंक." ब्रांड को बढ़ावा।

पश्चिमी पूंजी प्रवाह: भू-राजनीतिक घर्षण के बावजूद, अमेरिकी और यूरोपीय संस्थागत निवेशक भारतीय "डीप टेक" में रिकॉर्ड पूंजी डालेंगे।

भारत

वैश्विक मध्यस्थता: भारत दो युद्धरत राष्ट्रों के बीच युद्धविराम या व्यापार समझौते की सफलतापूर्वक मध्यस्थता करेगा, अपनी स्थिति "वैश्विक मध्यस्थ" तक ऊंचा करेगा।

अंतरिक्ष व्यावसायीकरण: इसरो विदेशी उपग्रह समूहों के लॉन्च के लिए कई उच्च-मूल्य अनुबंध हासिल करेगा।

लक्जरी बाजार उछाल: भारत उच्च-अंत ऑटोमोबाइल और लक्जरी रियल एस्टेट के लिए सबसे तेजी से बढ़ता बाजार बनेगा।

प्रवासी शक्ति: एनआरआई समुदाय पश्चिमी राजधानियों में भारत के स्थायी हितों के लिए लॉबिंग में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

सॉफ्ट पावर चरम: भारतीय कला, दर्शन और सिनेमा ग्लोबल नॉर्थ में अभूतपूर्व "मुख्यधारा" स्थिति हासिल करेगा।

भारत

बैंकिंग लचीलापन: वैश्विक वित्तीय झटकों के दौरान भी भारतीय बैंकिंग क्षेत्र स्थिरता का द्वीप बना रहेगा।

पड़ोसी अलगाव: भारत कुछ पड़ोसियों की उकसावे को "नजरअंदाज" करेगा, सक्रिय सैन्य संघर्ष की बजाय आर्थिक घेराबंदी चुनेगा।

खाद्य संप्रभुता: भारत तिलहन और दालों में "पूर्ण आत्मनिर्भरता" हासिल करेगा, आयात निर्भरता समाप्त करेगा।

जल सुरक्षा: प्रमुख नदी-जोड़ने चरण का पूरा होना कम से कम दो बड़े राज्यों में सूखे की समस्या हल करेगा।

नौसेना दृढ़ता: भारतीय नौसेना भारतीय महासागर में शत्रु अभिकर्ताओं के लिए स्थायी "नो-गो" क्षेत्र स्थापित करेगी।

mypanchang.com

भारत

हिमालयी किलेबंदी: उत्तरी सीमा पर स्वचालित, AI-लिंक्ड रक्षा टर्रेट्स तैनात होंगे।

अंतरिक्ष कमांड: "एकीकृत अंतरिक्ष रक्षा" प्रणाली का औपचारिक शुभारंभ।

ऊर्जा स्वतंत्रता: थोरियम-आधारित परमाणु ऊर्जा या ग्रीन हाइड्रोजन भंडारण में बड़ा ब्रेकथ्रू।

व्यापार ब्लॉक: भारत पारंपरिक पश्चिम-प्रधान मार्गों को बायपास करने वाला नया "दक्षिण-दक्षिण" व्यापार गठबंधन का नेतृत्व करेगा।

वीजा प्रतिशोध: भारत "प्रतिशोधी" वीजा नियम लागू करेगा, अपने नागरिकों के लिए समान सम्मान और यात्रा आसानी की मांग करेगा।

mypanchang.com

भारत

रणनीतिक द्वीप: भारत अपने द्वीप क्षेत्रों (अंडमान/लक्षद्वीप) को "इंडो-पैसिफिक" सैन्य हब के रूप में विकसित करेगा।

खुफिया सफलता: रॉ एक शीर्ष-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय फरार को सफलतापूर्वक निकालेगा या निष्क्रिय करेगा।

वैश्विक स्वास्थ्य हब: भारत अगली पीढ़ी के टीकों और सस्ती पुरानी बीमारियों की दवाओं के लिए "विश्व की फार्मेसी" बनेगा।

सटीक खेती: ड्रोन-आधारित कीटनाशक और उर्वरक छिड़काव का व्यापक अपनाना।

डेयरी क्रांति: भारत उच्च-गुणवत्ता वाले डेयरी निर्यात में विश्व का निर्विवाद नेता बनेगा।

दुर्लभ पृथ्वी खोज: दक्कन या हिमालय क्षेत्र में महत्वपूर्ण लिथियम या दुर्लभ पृथ्वी जमा की खोज।

mypanchang.com

भारत

तटीय संरक्षण: दक्षिणी तट की रक्षा के लिए बड़े समुद्री दीवार और मैंग्रोव परियोजनाएं।

नदी सफाई: गंगा और यमुना परियोजनाएं अंततः दृश्यमान, मापने योग्य पारिस्थितिक सुधार दिखाएंगी।

सॉवरेन क्लाउड: भारत सभी सरकारी और संवेदनशील नागरिक डेटा को अपने "राष्ट्रीय क्लाउड" में स्थानांतरित करेगा।

एआई नैतिकता नेतृत्व: भारत नैतिक एआई के लिए वैश्विक "स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर" तैयार करेगा।

एक स्वदेशी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म घरेलू बाजार में वैश्विक दिग्गजों को पीछे छोड़ देगा।

mypanchang.com

भारत

क्वांटम ब्रेकथ्रू: भारतीय वैज्ञानिक 50-क्यूबिट स्थिर क्वांटम प्रोसेसर प्रदर्शित करेंगे।

सेमीकंडक्टर सफलता: पहला "मेड इन इंडिया" उच्च-अंत प्रोसेसर बाजार में आएगा।

विपक्ष विखंडन: मुख्य विपक्ष तीन या अधिक क्षेत्रीय गुटों में बंट जाएगा।

नेतृत्व उत्तराधिकार: स्पष्ट "नंबर 2" को भविष्य के उत्तराधिकारी के रूप में तैयार और प्रचारित किया जाएगा।

mypanchang.com

भारत

नशीली दवाओं विरोधी सफलता: बड़े पैमाने पर कार्रवाई से भारत में अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट की कमर तोड़ेगी।

प्राचीन चिकित्सा: आयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा को प्राथमिक स्वास्थ्य बीमा (आयुष्मान भारत) में एकीकृत किया जाएगा।

साइबर-अपराध इकाइयां: हर जिले में समर्पित "साइबर-पुलिस" बल स्थापित होगा।

mypanchang.com

मेष राशि

- मेष राशि वालों के लिए 2026 की शुरुआत शक्तिशाली मूवमेंट और कर्मों के सुधार के साथ होगी। शनि पूरे साल मीन (12वें भाव) में धीरे-धीरे आगे बढ़ेंगे , 2026 का बैकग्राउंड साढ़ेसाती के प्रथम चरण का आखिरी फेज आखिरी फेज का स्वाद लेकर आएगा, जो गहरा अंदरूनी मंथन, पिछले कर्मों का पूरा होना, आध्यात्मिक रूप से ज़्यादा दूर होना, और ऐसे खर्चे लाएगा जिनके लिए अनुशासन की ज़रूरत होगी। शनि जहां सब्र का टेस्ट लेगा और आपको फालतू के बोझ से दूर करेगा, वहीं गुरु, मंगल और राहु -केतु साल के भौतिक नतीजों को आकार देंगे।
- 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक, मंगल कुंभ (11वें) से गुज़रेगा, जो मेष राशि के लिए बहुत शुभ गोचर है। इच्छाएँ जल्दी पूरी होंगी, इनकम बढ़ेगी, दोस्तों से सपोर्ट मिलेगा, और लंबे समय से रुके हुए प्रोजेक्ट्स में तेज़ी आएगी। यह फाइनेंशियल ग्रोथ के लिए 2026 के सबसे अच्छे समय में से एक है।
- 2 अप्रैल से 11 मई तक, मंगल मीन (12वां) में जाएगा , और शनि के डोमेन में शामिल होगा। यह आध्यात्मिक रूप से चार्ज्ड लेकिन भौतिक रूप से चुनौतीपूर्ण दौर है। खर्चे तेज़ी से बढ़ेंगे, नींद में खलल पड़ेगा, छिपे हुए दुश्मन जाग सकते हैं, और एनर्जी कम हो जाएगी। टकराव और बेवजह के रिस्क से बचें। यह पीछे हटने, ठीक होने और अंदर की ताकत वापस पाने का समय है।

मेष राशि

- 11 मई को, मंगल मेष (लग्न) में प्रवेश करेगा —यह एक नाटकीय मोड़ होगा। जोश, हिम्मत, आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता वापस आएगी। 11 मई से 20 जून तक का यह समय नई शुरुआत, व्यक्तिगत बदलाव और मजबूत व्यक्तित्व लेकर आएगा। लेकिन गुस्से पर काबू रखना होगा, क्योंकि पहले घर में मंगल अहंकार और बेसब्री को बढ़ाता है।
- गुरु 2 जून को कर्क (4th) में शिफ्ट हो रहा है, जिससे मौके और मुश्किलें दोनों मिल सकती हैं। इमोशन बढ़ेंगे, प्रॉपर्टी के मामले सामने आएंगे, और घर, परिवार की शांति, गाड़ी और अंदरूनी स्थिरता से जुड़े मामले फोकस में आएंगे। यह पारंपरिक रूप से अच्छा ट्रांज़िट नहीं है; घरेलू तनाव, इमोशनल उथल-पुथल और सीने या पाचन से जुड़ी हेल्थ प्रॉब्लम से सावधान रहना चाहिए।
- मंगल 20 जून को वृषभ (दूसरे) में प्रवेश करेगा । पैसे से जुड़े मामले, बचत और पारिवारिक रिश्ते दिमाग पर हावी रहेंगे। यहां मंगल धन और झगड़ा दोनों ला सकता है—कठोर वाणी पर कंट्रोल रखना होगा। परिवार के सदस्यों के साथ बहस से बचें।
- 29 जून से 23 जुलाई तक बुध फिर से वक्री हो जाएंगे, जिससे ट्रेडिंग, डॉक्यूमेंट्स, कम्युनिकेशन और छोटी यात्राओं पर असर पड़ेगा। सभी पेपरवर्क दोबारा चेक कर लें।
- 2 जून से 30 अक्टूबर तक, गुरु के चौथे भाव में होने पर, जब तक राशिफल साथ न दे, बड़ी प्रॉपर्टी खरीदने से बचें।

मेष राशि

- 2 अगस्त से 18 सितंबर तक, मंगल मिथुन (3) में चला जाएगा—यह एक रिजल्ट देने वाला, एक्टिव प्लेसमेंट है। कड़ी मेहनत का फल मिलेगा, कम्युनिकेशन बढ़ेगा, भाई-बहनों पर ध्यान देने की ज़रूरत पड़ सकती है, और ट्रैवल ज़्यादा होगा। यह मार्केटिंग, रियल एस्टेट एजेंट, सेल्स, एंटरप्रेन्योर, इन्फ्लुएंसर, मीडिया पर्सन और कम्युनिकेशन के ज़रिए काम करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक अच्छा समय है।
- मंगल 18 सितंबर को कर्क (चौथे) में प्रवेश करेंगे, जो उनकी नीच राशि है। यह गोचर 12 नवंबर तक रहेगा और मेष राशि के लिए 2026 का सबसे मुश्किल दौर होगा। इमोशनल अस्थिरता बढ़ेगी, घरेलू परेशानी दिखेगी, घर या गाड़ियों से जुड़ी परेशानियां सामने आएंगी और मानसिक तनाव बढ़ेगा। गुरु भी इसी भाव (चौथे) में हैं, जिससे इमोशनल उथल-पुथल बढ़ रही है।
- घर में झगड़ों से बचें। गाड़ी के रिस्क से बचें। ज़्यादा आराम करें। इस समय शांति की ज़रूरत है।
- मंगल 12 नवंबर को सिंह (5वें) में प्रवेश करेगा , जिससे तेज़ बुद्धि, क्रिएटिविटी, जुनून और पहल आएगी। गुरु भी 31 अक्टूबर को सिंह में प्रवेश करेगा , जिससे बच्चों, शिक्षा, सट्टेबाजी, क्रिएटिविटी और आध्यात्मिक बुद्धि के लिए फायदेमंद मेल बनेगा।
- राहु -केतु मकर-कर्क राशि में शिफ्ट हो रहे हैं, जिससे अगले 18 महीनों के लिए एक शक्तिशाली प्रोफेशनल साइकिल एक्टिवेट हो रहा है। 2026 का आखिरी महीना बढ़ती महत्वाकांक्षा, नई पहचान और महत्वपूर्ण फैसले दिखाता है।

मेष राशि

जनवरी से अप्रैल 2027:

- यह ट्रांज़िट घर में स्थिरता, इमोशनल ग्राउंडिंग और आपकी नींव को मज़बूत करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव दिखाता है। फोकस सट्टेबाज़ी के रिस्क और बाहरी वैलिडेशन से हटकर "सुख" या मन की शांति और आराम पाने की तरफ़ जाता है। यह आपके रहने के माहौल को बेहतर बनाने का एक अच्छा समय है, चाहे वह प्रॉपर्टी खरीदने, घर के रेनोवेशन के ज़रिए हो, या बस अपनी जड़ों और परिवार से अपने कनेक्शन को गहरा करने के ज़रिए हो। जबकि एनर्जी ज़्यादा प्राइवेट और सोचने वाली होती है, यह एक पावरफ़ुल "बिल्डिंग फ़ेज़" के तौर पर काम करती है जो भविष्य में ग्रोथ के लिए ज़रूरी सिक्योरिटी देती है।
- प्रोफेशनल और सोशल लेवल पर, आपकी रेप्युटेशन और पब्लिक स्टैंडिंग में अक्सर लगातार बढ़ोतरी होती है, भले ही आप पर्दे के पीछे ज़्यादा समय बिता रहे हों। यह समय शॉर्ट-टर्म फायदे के बजाय लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट के लिए अच्छा है, जिससे ऐसे एसेट्स पर "शुभ-वय" (शुभ खर्च) होता है जिनकी लंबे समय तक वैल्यू रहती है।
- एनर्जी ज्ञान पाने से हटकर प्रोफेशनल दबदबे और पब्लिक एक्शन की ओर शिफ्ट हो जाती है। यह एक पीक "कर्मा" फेज़ है जहाँ आपकी लगन आपको असली लीडरशिप, अथॉरिटी और करियर में जीत दिलाती है।

वृषभ राशि

- वृषभ राशि में जन्मे लोगों के लिए , 2026 कर्मों में ज़बरदस्त बदलाव, इमोशनल स्थिरता और धीरे-धीरे भौतिक सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी का साल होगा। शनि के पूरे साल मीन (11वें भाव) में गोचर करने से, एक बड़ा धर्म- अर्थ का दौर शुरू होगा, जिससे वृषभ राशि वालों को बेहतर फ़ायदा, मददगार दोस्त और लंबे समय से पेंडिंग इच्छाएं पूरी होंगी। यह साल न सिर्फ़ पैसे के मामले में अच्छा है, बल्कि सामाजिक रूप से भी फ़ायदेमंद है, बशर्ते आप सब्र और विनम्रता बनाए रखें।
- हालाँकि, गुरु, राहु -केतु और मंगल साल के गहरे उतार-चढ़ाव को आकार देते हैं, और हर एक अहम बदलाव लाता है।
- 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक, मंगल कुंभ (10वें भाव) में जाएगा। इससे प्रोफेशनल मोमेंटम तो बढ़ेगा लेकिन प्रेशर भी आएगा। आपको डिमांडिंग बॉस, लीडरशिप की ज़िम्मेदारियों, डेडलाइन और ज़्यादा विज़िबिलिटी का सामना करना पड़ सकता है। यह बहुत ज़्यादा एक्टिविटी वाला समय है, और अगर इसे सब्र से संभाला जाए, तो प्रोफेशनल ग्रोथ होती है।
- राहु आपके नाम, इज़्ज़त और पब्लिक इमेज को एक्टिव रखेगा। आपको नए रोल, अचानक मौके या अचानक मिली ज़िम्मेदारियां मिल सकती हैं।

वृषभ राशि

- 2 अप्रैल से 11 मई तक, मंगल मीन (11वें भाव) में जाएगा — यह एक अच्छा गोचर है जो फ़ायदा, मुनाफ़ा और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति लाएगा। उसी भाव में शनि के साथ , यह डिसिप्लिन्ड नेटवर्किंग के ज़रिए ग्रोथ के लिए एक मज़बूत समय बन जाता है। फ़ाइनेंशियल प्लानिंग, इन्वेस्टमेंट कंसोलिडेशन और लॉन्ग-टर्म गोल एक्टिवेट हो जाते हैं।
- लेकिन, क्योंकि यहां मंगल और शनि की युति है, इसलिए बिना सोचे-समझे फैसले लेने, दोस्तों के साथ ईगो के झगड़े या टीम में गुस्से वाले इंटरैक्शन से बचें।
- मंगल 11 मई से 20 जून तक मेष (12वें भाव) में जाएगा । यह एक सेंसिटिव फेज़ है। खर्च बढ़ेगा, नींद में दिक्कत हो सकती है, और छिपे हुए दुश्मन या हेल्थ प्रॉब्लम सामने आ सकती हैं। बिना सोचे-समझे खर्च करने, गैर-ज़रूरी ट्रैवल और सीक्रेट डील करने से बचें। मेडिटेशन और रिस्टोरेटिव प्रैक्टिस पर फोकस करें।
- गुरु कर्क (तीसरे भाव) में जाएगा, जिससे छोटी यात्राओं, लिखने, हिम्मत और बातचीत को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, यहां इसकी ताकत कम हो जाएगी, इसलिए जून-अक्टूबर के दौरान बड़ी फाइनेंशियल ग्रोथ की उम्मीद न करें।

वृषभ राशि

- मंगल वृषभ राशि में प्रवेश करेगा , जिससे आपको ताकत, आत्मविश्वास और दृढ़ता मिलेगी। आप बोल्ड, एनर्जेटिक और फिजिकली एक्टिव बनेंगे। यह समय सेल्फ-एस्टीम को बढ़ाता है लेकिन ईगो और बेसब्री भी बढ़ाता है। गुस्से पर कंट्रोल रखें और झगड़ों से बचें।
- 29 जून से 23 जुलाई तक बुध फिर से वक्री हो जाएंगे, इसलिए यात्रा और डॉक्यूमेंटेशन में सावधानी बरतने की ज़रूरत है।
- तीसरे भाव में गुरु होने से शॉर्ट-टर्म फ़ायदा हो सकता है, लेकिन रिस्की फ़ैसले लेने से बचें, खासकर सट्टेबाज़ी वाले फ़ैसले लेने से।
- 2 अगस्त से 18 सितंबर तक, मंगल मिथुन राशि में चला जाएगा। यह मिला-जुला दौर है। आपकी वाणी तीखी हो जाएगी, जिससे दूसरों को बुरा लग सकता है। परिवार में मतभेद सामने आ सकते हैं, हालांकि अपनी बात पर अड़े रहने से पैसे का फ़ायदा हो सकता है। बिना साफ़ जानकारी के पैसे उधार लेने या देने से बचें।
- अगस्त के बीच से, 10वें भाव में राहु होने से महत्वाकांक्षा और करियर के मौके बढ़ेंगे। 4वें भाव में केतु से नवंबर तक अंदरूनी बेचैनी होगी, जिससे बेहतर इमोशनल मैनेजमेंट की ज़रूरत होगी।

वृषभ राशि

- 18 सितंबर से 12 नवंबर तक, मंगल कर्क (3री) में जाएगा, जो उसकी कमज़ोर राशि है। इससे हिम्मत कम होती है, इमोशनल सेंसिटिविटी बढ़ती है, और अंदर ही अंदर फ्रस्ट्रेशन होती है। भाई-बहनों या साथ काम करने वालों से बेवजह के झगड़े से बचें।
- इस समय गुरु भी कर्क राशि में कमज़ोर है, जिससे इमोशनल माहौल और भी ज़्यादा इंटेंस हो जाता है। सेल्फ़-केयर और कम्युनिकेशन डिसिप्लिन पर फ़ोकस करें।
- 31 अक्टूबर को गुरु सिंह (चौथे भाव) में प्रवेश करेगा, जिससे घर, प्रॉपर्टी, शिक्षा और इमोशनल वेलबीइंग में नई शुरुआत होगी। कई लोग प्रॉपर्टी खरीदेंगे, घरेलू सुख-सुविधाओं को बढ़ाएंगे या परिवार से फिर से जुड़ेंगे।
- 25 नवंबर को राहु -केतु का गोचर असाधारण भाग्य लेकर आएगा
- केतु कर्क (तीसरे) में जाता है – साहस, आध्यात्मिक संचार
- 12 नवंबर को मंगल सिंह राशि (4th) में प्रवेश करेगा , जिससे एनर्जी बढ़ेगी, जोश बढ़ेगा और लीडरशिप क्वालिटी मजबूत होगी। गुरु-मंगल का मेल घर में सुधार, रियल एस्टेट में बदलाव, क्रिएटिव प्रोजेक्ट और बच्चों से जुड़ी तरक्की के लिए अच्छा है।

वृषभ राशि

- जनवरी - अप्रैल 2027: एनर्जी घर के आराम से हटकर खुद की कोशिश और हिम्मत वाले काम की तरफ जाएगी। जैसे ही आपको मेंटल एनर्जी में तेज़ी महसूस होगी और आप बातचीत करने या घूमने-फिरने की इच्छा महसूस करेंगे, घर की ज़िंदगी पर आपका ध्यान कम हो जाएगा। यह " पराक्रम " (वीरता) का समय है, जहाँ आपकी अपनी कोशिशें, भाई-बहन और सोशल कनेक्शन आपकी तरक्की के मुख्य ड्राइवर बन जाते हैं।
- सफलता अब कम्युनिकेशन और शॉर्ट-टर्म वेंचर्स से मिलती है। जबकि घर का "बोझ" कम हो जाता है, इसकी जगह बिज़ी शेड्यूल और मल्टीटास्किंग की ज़रूरत ले लेती है। यह मीडिया, राइटिंग, या किसी भी ऐसे फील्ड में काम करने वालों के लिए बहुत प्रोडक्टिव समय है, जहाँ जल्दी फैसले लेने और बोल्ड नेटवर्किंग की ज़रूरत होती है।

मिथुन राशि

- मिथुन राशि वालों के लिए 2026 अंदरूनी मजबूती, डिसिप्लिन्ड ग्रोथ, हल्के इमोशनल करेक्शन और बड़े कर्मिक रीस्ट्रक्चरिंग का साल है—खासकर गुरु और राहु -केतु के ज़रिए। शनि के पूरे साल मीन (10वें भाव) में गोचर करने से , आपकी प्रोफेशनल लाइफ, ज़िम्मेदारियां, लीडरशिप रोल और पब्लिक रेप्युटेशन पर लगातार फोकस रहेगा। शनि की दसवें घर में मौजूदगी के लिए कड़ी मेहनत, डिसिप्लिन, ड्यूटीज़ को अच्छे से मानना और धीरे-धीरे मिलने वाले नतीजों के सामने सब्र की ज़रूरत होती है। फिर भी, यह प्रेशर आखिरकार एक बड़ी बढ़त बनाता है।
- गुरु 2 जून तक मिथुन (1) में, 2 जून से 31 अक्टूबर तक कर्क (2) में, और उसके बाद सिंह (3) में रहेगा, और 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में चला जाएगा। यह मूवमेंट आपके मेंटल स्पेस, फाइनेंस और हिम्मत को धीरे-धीरे बदलेगा।
- 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक, मंगल कुंभ (9वें) में चला जाएगा—जो साल के सबसे भाग्यशाली समय में से एक है। किस्मत चमकेगी, पिता की सेहत बेहतर होगी, लंबी दूरी की यात्रा शुरू होगी, और आत्मविश्वास बढ़ेगा। यह परीक्षाओं, आध्यात्मिक साधना या कोई नया लंबे समय का प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए अच्छा समय है।

मिथुन राशि

- मंगल 2 अप्रैल को मीन (10th) में प्रवेश करेगा , जहाँ वह शनि से जुड़ जाएगा । यह मेल काम पर बहुत ज़्यादा प्रेशर बनाता है—डेडलाइन कम हो जाती हैं, ज़िम्मेदारियाँ बढ़ जाती हैं, और अथॉरिटी वाले लोग बेहतरीन काम की मांग करते हैं। आपको लग सकता है कि आपको बार-बार खुद को साबित करना होगा। गुरु अभी भी 1st में है, यह पक्का करता है कि आप टूटें नहीं। आपकी इंटेलिजेंस आपका साथ देगी।
- 11 मई से 20 जून तक मेष (11वां) में मंगल बहुत अच्छा रहेगा। फ़ायदा बढ़ेगा, नेटवर्किंग बढ़ेगी और इच्छाएं जल्दी पूरी होंगी। लेकिन 2 जून को गुरु दूसरे भाव (कर्क) में चला जाएगा, जिससे फाइनेंस, परिवार में एकता, वाणी और कॉन्फिडेंस मजबूत होगा। पैसों के लिए यह साल का सबसे स्टेबल समय है।
- मंगल 20 जून को वृषभ (12वें) में प्रवेश करेगा , जिससे खर्चे बढ़ेंगे और शारीरिक शक्ति कम होगी। यात्रा बढ़ सकती है। 29 जून से 23 जुलाई तक बुध वक्री होने से वित्तीय सावधानी की आवश्यकता है। दूसरे भाव में गुरु खर्चों के बावजूद बचत की रक्षा करेगा।
- 2 अगस्त से 18 सितंबर तक, मंगल मिथुन (लग्न) में प्रवेश करेगा - यह बहुत ऊर्जावान लेकिन आक्रामक समय है। आपके फैसले बोल्ड होंगे, लेकिन गुस्सा तेज़ होगा। सेहत का ध्यान रखने की ज़रूरत है।

mypanchang.com

मिथुन राशि

- मंगल का कर्क (2nd) में खराब होना कठोर वाणी, पारिवारिक झगड़े और खाने से जुड़ी सेहत की दिक्कतें लाता है। गुरु भी 2nd में होने पर सबसे बुरे असर को कम करता है लेकिन इमोशनल एनर्जी को कम करता है। बहस से बचें, खासकर परिवार के साथ। गुरु 31 अक्टूबर को सिंह (3rd) में चला जाएगा—हिम्मत, लिखने, मार्केटिंग और क्रिएटिव एक्सप्रेशन के लिए बहुत अच्छा है। राहु -केतु 25 नवंबर को मकर-कर्क में शिफ्ट हो जाएगा, जिससे शेयर्ड रिसोर्स, हिम्मत, इंटेलिजेंस और पार्टनरशिप के आस-पास बदलाव का एक नया साइकिल शुरू होगा। सिंह (3rd) में मंगल के प्रवेश से एनर्जी और फैसले लेने की ताकत वापस आती है।

- जनवरी - अप्रैल 2027: लगातार एक्शन और कम्युनिकेशन की चाहत पैसे जमा करने और परिवार की सुरक्षा की तरफ शिफ्ट हो जाती है। फोकस "मेहनत" से "नतीजे" पर चला जाता है, क्योंकि आपने जो मेहनत की है, वह असल दौलत और लिक्विड एसेट्स के रूप में दिखने लगती है। यह आपके बैंक बैलेंस को स्टेबल करने और अपनी बातचीत और डाइट को बेहतर बनाने का सबसे अच्छा समय है।

- जैसे-जैसे परिवार में आपकी भूमिका ज़्यादा अहम होती जाएगी, घरेलू तालमेल सेंटर में आ जाएगा। यह समय बचत, इन्वेस्टमेंट और "वाक-सिद्धि" (बोलने की शक्ति) का आनंद लेने के लिए अच्छा है। यह आपके रिसोर्स को बढ़ाने और यह पक्का करने का समय है कि आपके परिवार का भविष्य फाइनेंशियली सुरक्षित रहे। आप अकेलेपन और ज़्यादा खर्च की ओर बढ़ेंगे।

कर्क राशि

- कर्क राशि वालों के लिए 2026 बहुत बड़ा बदलाव लाने वाला साल है। शनि के पूरे साल मीन (9वें भाव) में रहने से , किस्मत, पिता की सेहत, धर्म और लंबी दूरी की कोशिशों में कर्मों का सुधार होगा। यहां शनि आस्था का टेस्ट लेता है—आपका विश्वास सिस्टम मैच्योर होता है, ज़िम्मेदारियां बढ़ती हैं, और गहरी आध्यात्मिक सोच पैदा होती है।
- गुरु 2 जून तक मिथुन (12वें) में रहेगा, 2 जून से 31 अक्टूबर तक कर्क (लग्न) में रहेगा, और फिर सिंह (2वें) में जाएगा, और 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में जाएगा। यह बदलाव अंदर की सफाई, पर्सनल नया जन्म और आखिर में फाइनेंशियल स्थिरता लाता है।
- मंगल 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक कुंभ (8वें) में जाएगा—यह बदलाव का समय होगा। अंतर्ज्ञान गहरा होगा, राज़ सामने आएंगे, और आपको अचानक घटनाओं का सामना करना पड़ सकता है। बेवजह के जोखिम से बचें। 8वें भाव में राहु रहस्यमयी रुचियों, रिसर्च और गहरे मनोवैज्ञानिक मंथन को एक्टिवेट करता है।
- मंगल 2 अप्रैल को शनि के साथ मिलकर मीन (9th) में जाएगा । इससे पिता, गुरु, धर्म और दूर के संस्थानों से जुड़ा एक गंभीर, भारी कर्म का दौर बनेगा। टीचरों या बड़ों के साथ ईगो के टकराव से बचें। हालांकि, इससे अनुशासन और आध्यात्मिक स्पष्टता मजबूत होगी। मेष (10वें) में जाएगा —करियर में ज़बरदस्त बढ़ावा मिलेगा। नई लीडरशिप भूमिकाएँ, प्रमोशन और मौके मिलेंगे।

कर्क राशि

- गुरु 2 जून को कर्क (लग्न) में प्रवेश करेगा, जिससे पर्सनल ग्रोथ, कॉन्फिडेंस, इमोशनल हीलिंग और नई एनर्जी का 4 महीने का फेज शुरू होगा।
- मंगल 20 जून को वृषभ (11वें) में जाएगा , जिससे फ़ायदे, मुनाफ़े और दोस्ती में मदद मिलेगी। लग्न में गुरु करिश्मा और विज़िबिलिटी बढ़ाता है। 29 जून–23 जुलाई को बुध का रेट्रोग्रेड होना फ़ाइनेंशियल कम्युनिकेशन में सावधानी बरतने की सलाह देता है।
- 2 अगस्त से 18 सितंबर तक मंगल मिथुन (12वें) में प्रवेश करेगा, जिससे कम ऊर्जा, नींद में परेशानी और भावनात्मक कमजोरी आएगी। ज़्यादा सोचने और गैर-ज़रूरी यात्रा से बचें।
- कर्क (लग्न) में मंगल होने से चिड़चिड़ापन, सूजन, भावनात्मक उथल-पुथल और सेहत के प्रति संवेदनशीलता होती है। गुस्से पर काबू रखें और अहंकार से भरे फैसले लेने से बचें। लेकिन गुरु की मौजूदगी सबसे बुरे असर को कम करती है।
- गुरु सिंह (दूसरे) में जाएगा—फाइनेंस, परिवार में तालमेल और वाणी के लिए बहुत अच्छा है। 25 नवंबर को राहु -केतु का मकर-कर्क में जाना मज़बूत रिलेशनशिप कर्म लाएगा। 12 नवंबर को मंगल का सिंह (दूसरे) में जाना फाइनेंस को एनर्जी देगा लेकिन वाणी को धीमा कर देगा।

कर्क राशि

- जनवरी से अप्रैल 2027: बैंकिंग और फ़ैमिली वैल्यूज़ पर फ़ोकस सेल्फ़-आइडेंटिटी और फ़िज़िकल एनर्जी की ओर शिफ्ट हो जाता है। आप "पैसे" को मैनेज करने से "खुद को" मैनेज करने लगते हैं। यह पर्सनल ग्रोथ का एक अहम समय है, जहाँ आपकी हेल्थ, अपीयरेंस और ओवरऑल पर्सनैलिटी आपकी ज़िंदगी के फ़ोकल पॉइंट बन जाते हैं।
- यह बदलाव नई शुरुआत और बढ़े हुए मैग्नेटिज़्म का समय दिखाता है। दूसरों पर आपका असर बढ़ता है, और आप प्रोजेक्ट्स को लीड करने या सेंटर स्टेज पर आने में ज़्यादा कॉन्फिडेंट महसूस करते हैं। यह खुद को बेहतर बनाने और अपनी ज़िंदगी के मकसद के लिए एक नया रास्ता तय करने के लिए एक आइडियल फेज़ है।
- सोचने-समझने का समय खत्म होता है, जिससे फिजिकल एनर्जी और खुद की पहचान में बढ़ोतरी होती है। आप "उत्साह" (उत्साह) के एक बोल्ड फेज़ में चले जाते हैं, अपनी किस्मत और नए प्रोजेक्ट्स की पर्सनल ज़िम्मेदारी लेते हैं।

सिंह राशि

- सिंह राशि वालों के लिए , 2026 गहरे अंदरूनी बदलाव, बड़े फाइनेंशियल और स्पिरिचुअल रीबैलेंसिंग का साल होगा, और आखिर में, आखिरी तिमाही तक, बढ़ती ताकत, विज़िबिलिटी और सफलता का समय होगा। शनि के पूरे साल मीन (8वें) में रहने से, यह एक गहरा कर्म-मंथन का समय है—जिसे अष्टम भी कहा जाता है। शनि , एक ऐसी जगह जो अंदर की सफाई, छिपे हुए डर से निपटने, कर्ज़ का सामना करने, लगाव को बदलने और समझदार बनने के लिए जानी जाती है।
- गुरु 2 जून तक मिथुन (11वें) में, 31 अक्टूबर तक कर्क (12वें) में, और आखिर में 31 अक्टूबर से सिंह (लग्न) में, और 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में जाएगा।
- मंगल 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक कुंभ (7वां) में जाएगा। यह शादी, बिज़नेस पार्टनरशिप, एग्रीमेंट और सहयोग के विषयों को बढ़ाता है। यहां मंगल तीव्रता ला सकता है—ईगो के टकराव, बिना सोचे-समझे बहस या जिद्दी फैसलों से बचें। यह समय रिश्तों में धैर्य की परीक्षा लेता है।

सिंह राशि

- 2 अप्रैल से 11 मई तक, मंगल मीन (8वें) में प्रवेश करेगा , शनि से जुड़ जाएगा । यह साल के सबसे मज़बूत कर्म-पूरा होने वाले चरणों में से एक है। अचानक घटनाएँ, छिपी हुई चिंताएँ, भावनात्मक संवेदनशीलता और गहरा आत्मनिरीक्षण होता है। जोखिम भरे निवेश, झगड़ों और गुप्त व्यवहार से बचें। गुरु अभी भी 11वें में होने से आर्थिक मदद मिलती है।
- मंगल 11 मई को मेष (9वें) में प्रवेश करेगा , जिससे अपार धन, उच्च ज्ञान और गुरुओं से सहयोग मिलेगा। लंबी दूरी की यात्रा के योग हैं।
- गुरु 2 जून को कर्क (12वें) में प्रवेश करेगा, जिससे 5 महीने का आंतरिक शुद्धि, आध्यात्मिक जागृति, विदेशी संबंध, यात्रा और बढ़े हुए खर्च का दौर शुरू होगा। यह समय अंदर की ओर वापसी और हीलिंग को बढ़ावा देता है।
- मंगल 20 जून से 2 अगस्त तक वृषभ (10वें) में प्रवेश करेगा , जिससे करियर में पहचान, लीडरशिप और महत्वाकांक्षा बढ़ेगी। काम की जगह पर कॉम्पिटिशन बढ़ेगा, लेकिन कोशिश करने से जीत मिल सकती है। बुध का वक्री होना (29 जून से 23 जुलाई) ऑफिशियल कम्युनिकेशन को धीमा कर देगा।
- गुरु आपको आत्मनिरीक्षण करने वाला बनाता है, हालांकि प्रोफेशनल लाइफ एक्टिव रहती है।

mypanchang.com

सिंह राशि

- मंगल 2 अगस्त को मिथुन (11वें) में प्रवेश करेगा, जो लाभ, मुनाफ़े और नए नेटवर्क के लिए बहुत अच्छा है। पैसे के मौके बढ़ेंगे। हालांकि, 8वें भाव में शनि होने से इमोशनल भारीपन बना रहेगा।
- राहु साथी और संबंध की इच्छा बढ़ाता है।
- मंगल कमजोर रहेगा, जिससे एनर्जी कम होगी, इमोशनल सेंसिटिविटी बढ़ेगी, खर्चे बढ़ेंगे और नींद में दिक्कत होगी। झगड़े और थकान से बचें। 12वें भाव में गुरु अंदर से गहरी सफाई करता रहेगा। यह साल का सबसे ज़्यादा खुद को समझने वाला समय है।
- NOV–DEC 2026: नया जन्म और नई शक्ति: 31 अक्टूबर से सिंह राशि में गुरु -- आशीर्वाद, ज्ञान, करिश्मा और विस्तार का एक नया चक्र शुरू होगा। 25 नवंबर से राहु केतु का गोचर , स्वास्थ्य, कॉम्पिटिटिव सफलता, नौकरी में स्थिरता और आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ावा देगा।
- 12 नवंबर को मंगल सिंह राशि में प्रवेश करेगा : ऊर्जा, चमक, लीडरशिप और आत्मविश्वास चरम पर होगा।

सिंह राशि

- जनवरी-अप्रैल 2027: प्रतिबिंब
- खुद को साबित करने की एनर्जी आत्मनिरीक्षण और आध्यात्मिक मुक्ति की ओर शिफ्ट हो जाती है। फोकस "मैं" से "परे" की ओर जाता है, जिसमें अक्सर अकेलेपन, लंबी दूरी की यात्रा, या " व्यय " (खर्च) का समय शामिल होता है। यह कर्मों के कर्ज चुकाने और उन चीजों को छोड़ने का समय है जो अब आपकी ग्रोथ में मदद नहीं करतीं।
- भले ही भौतिक तरक्की शांत लगे, लेकिन आध्यात्मिक और अवचेतन मन से होने वाले फ़ायदे बहुत ज़्यादा होते हैं। यह समय दान, ध्यान और "शुभ-वाय" (शुभ खर्च) के लिए अच्छा होता है। जैसा कि सिद्धांतिक परंपरा में बताया गया है, यह नए बदलाव के चक्र के शुरू होने से पहले "सफाई" का दौर है।

कन्या राशि

- 2026 गहरी इमोशनल रीस्ट्रक्चरिंग, रिश्तों के कर्मों, आध्यात्मिक शुद्धि और फिर अधिकार, पहचान और आत्मविश्वास में आखिरी बढ़ोतरी का साल बन रहा है। पूरे साल मीन (7वें) में शनि के रहने से , पार्टनरशिप, शादियां, कॉन्ट्रैक्ट और सहयोग कर्मों की सफाई से गुज़रेंगे। आपको इमोशनली मैच्योर होने और सब्र और बैलेंस के साथ काम करने की ज़रूरत है।
- गुरु 2 जून तक मिथुन (10वें) से, 31 अक्टूबर तक कर्क (11वें) से, और आखिर में सिंह (12वें) से गुज़रेगा, और 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में जाएगा — आपके करियर, फ़ायदे और अंदरूनी ज़िंदगी में धीरे-धीरे बदलाव लाएगा।
- 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक, मंगल कुंभ (6th) में प्रवेश करेगा—दुश्मनों को हराने, काम पूरे करने, बीमारी पर काबू पाने और सर्विस से जुड़े कामों में अच्छा करने के लिए यह बहुत अच्छा है। 6th में राहु नौकरी में स्थिरता लाता है।
- मंगल मीन (7th) में प्रवेश करता है और शनि से जुड़ता है । यह शादी और बिज़नेस पार्टनरशिप के लिए एक कर्मिक चरण है। गुस्सा, कठोर भाषण, या एकतरफा फैसले से बचें। 10th में गुरु व्यक्तिगत तनाव के बावजूद करियर में मदद करता है।

कन्या राशि

- मंगल मेष (8वें) में जाएगा , जिससे गहरा मानसिक उतार-चढ़ाव, अचानक खर्च और बदलाव होगा। जोखिम से बचें।
- गुरु 2 जून को कर्क (11वें) में जाएगा, जिससे पैसे का फ़ायदा, नई दोस्ती और ग्रुप वर्क में सफलता मिलेगी। मंगल 20 जून से 2 अगस्त तक वृषभ (9वें) में जाएगा, जिससे किस्मत, पिता की सेहत, हायर एजुकेशन और लंबी दूरी की यात्रा में मदद मिलेगी। बुध के रेट्रोग्रेड होने पर सावधानी से प्लानिंग करने की ज़रूरत है।
- मंगल 2 अगस्त से 18 सितंबर तक मिथुन (10वें) में प्रवेश करेगा, जिससे प्रमोशन, नए रोल, पहचान और मजबूत प्रोफेशनल मोमेंटम मिलेगा। गुरु अभी भी 11वें में होने से फायदा होगा।
- मंगल कर्क (11वें) में चला जाएगा, जो उसकी कमज़ोरी है। धीरे-धीरे बढ़त होगी, दोस्ती में तनाव आ सकता है, और टीमवर्क मुश्किल हो जाएगा। गुरु सपोर्टिव रहेगा।
- गुरु 31 अक्टूबर को सिंह (12वें) में प्रवेश करेंगे, जिससे आध्यात्मिक अभ्यास, विदेश यात्रा और इमोशनल हीलिंग को बढ़ावा मिलेगा। राहु -केतु का मकर-कर्क में जाना बच्चों, बुद्धि और आध्यात्मिक सुधार से जुड़े एक नए चक्र की शुरुआत करता है।
- मंगल सिंह राशि (12th) में प्रवेश करेगा, जिससे अंतर्मुखी और क्रिएटिव सोच आएगी।

mypanchang.com

कन्या राशि

- जनवरी-अप्रैल 2027: ज़िम्मेदारी
- सोशल रिवॉर्ड और आसान फ़ायदों पर ध्यान प्रोफेशनल ड्यूटी और पब्लिक अथॉरिटी की तरफ़ शिफ्ट हो जाता है। एनर्जी "आपको क्या मिलता है" से "आप क्या करते हैं" की तरफ़ जाती है। यह आपके करियर साइकिल का पीक है, जहाँ आपके "कर्म" (काम) पब्लिक स्पॉटलाइट में होते हैं और आपकी लीडरशिप का टेस्ट होता है।
- आप पाएंगे कि आपके ऊपर ज़्यादा ज़िम्मेदारियां और टाइटल आ गए हैं। हो सकता है कि सोशल लाइफ पीछे छूट जाए, लेकिन आपका प्रोफेशनल असर सबसे ज़्यादा होगा। यह समय अपनी विरासत को मज़बूत करने और अपने फील्ड की हायरार्की में अपनी काबिलियत साबित करने का है।
- फोकस बचत से हटकर बहुत हिम्मत और बातचीत पर जाता है। यह एक पीक " पराक्रम " (वीरता) का समय है जहाँ आपकी खुद की कोशिश, पहल और दिमागी तेज़ी तुरंत सफलता दिलाती है।

तुला राशि

- तुला राशि वालों के लिए, 2026 डिसिप्लिन में काम करने, करियर में बड़े बदलाव, रिश्तों में सुधार और पर्सनल कॉन्फिडेंस के दोबारा जन्म का साल साबित होगा। पूरे साल शनि के मीन (छठे भाव) में रहने से, एक शक्तिशाली उपाशन फेज शुरू होगा—जहां दुश्मन कम होंगे, कर्ज कंट्रोल किए जा सकते हैं, डिसिप्लिन से हेल्थ बेहतर होगी और सर्विस से जुड़े कर्म मैच्योर होंगे। छठे भाव में शनि का होना इसकी सबसे प्रोडक्टिव पोजीशन में से एक है, जो आपको लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा।
- गुरु 2 जून तक मिथुन (9वें) से, 31 अक्टूबर तक कर्क (10वें) से, और सिंह (11वें) से गुज़रेगा, और 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में जाएगा। ये चरण आपकी किस्मत, करियर में तरक्की और आखिर में होने वाले फ़ायदों को तय करेंगे।
- मंगल 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक कुंभ (5वें) में जाएगा, जिससे क्रिएटिविटी, जुनून, सट्टेबाज़ी में दिलचस्पी और बच्चों से जुड़े मामले बढ़ेंगे। बुध के वक्री होने (26 फरवरी से 20 मार्च) के दौरान बिना सोचे-समझे जोखिम लेने से बचें।
- इस दौरान 11वें भाव में केतु आपको कुछ दोस्तों या सोशल सर्कल से दूर कर सकता है। हालांकि, 5वें भाव में राहु अचानक रोमांटिक डेवलपमेंट शुरू कर सकता है।

तुला राशि

- मंगल 2 अप्रैल को मीन (6th) में प्रवेश करेगा , शनि के साथ । यह दुश्मनों को हराने, कर्ज चुकाने, सर्विस पर ध्यान देने और मुकाबले के माहौल में जीतने की आपकी क्षमता को मजबूत करेगा। दबाव हो सकता है, लेकिन बड़ी उपलब्धियां भी मिल सकती हैं। गुरु अभी भी 9th में सहायक है, जो भाग्य और मानसिक स्पष्टता देगा।
- 11 मई से 20 जून तक, मंगल अपने ही घर मेष (7वें) में चला जाएगा । यह शादी और पार्टनरशिप के लिए बहुत ताकतवर समय है। जोश बढ़ेगा—जुनून के लिए पॉजिटिव, बहस के लिए नेगेटिव। बिज़नेस पार्टनरशिप तेज़ी से बढ़ सकती है लेकिन इसके लिए सब्र की ज़रूरत होगी।
- गुरु 2 जून को कर्क (10वें) में प्रवेश करेगा, जिससे अगले 5 महीनों के लिए करियर को बढ़ावा देने वाला गोचर शुरू होगा। मौके खुलेंगे, पहचान बढ़ेगी और नई लीडरशिप भूमिकाएँ मिल सकती हैं।
- मंगल 20 जून को वृषभ (8वें) में प्रवेश करेगा , जिससे शेयर्ड फाइनेंस, इमोशनल स्टेबिलिटी और अचानक खर्चों में सावधानी बरतने की ज़रूरत होगी। हालांकि, 10वें भाव में गुरु करियर स्टेबिलिटी को बचाता है। बुध का रेट्रोग्रेड (29 जून–23 जुलाई) फाइनेंशियल डॉक्यूमेंट्स में सावधानी बरतने की सलाह देता है।
- मंगल 2 अगस्त को मिथुन (9वें) में जाएगा, जिससे शुभ परिणाम मिलेंगे। विदेश यात्रा, हायर स्टडीज़, धर्म, किस्मत और पिता के मामलों में सुधार होगा। गुरु करियर पर आशीर्वाद बनाए रखेगा। 5वें भाव में राहु शक्तिशाली क्रिएटिव आइडिया दे सकता है।

तुला राशि

- मंगल 18 सितंबर से 12 नवंबर तक कर्क (10th) में प्रवेश करेगा, जो उसकी कमज़ोरी की राशि है। यह करियर के लिए एक मुश्किल समय है, जिसमें दबाव, ज़िम्मेदारी और अधिकारियों के साथ टकराव हो सकता है। इमोशनल रिएक्शन को कंट्रोल करना होगा। गुरु का 10th में होना भी सावधानी से बैलेंस बनाने की ज़रूरत को बढ़ाता है।
- नवंबर-दिसंबर 2026: लाभ, मुनाफा और नए गठबंधन
- ⭐ 31 अक्टूबर को गुरु सिंह (11वें) में प्रवेश करेगा, जिससे लाभ, दोस्ती, सामाजिक उत्थान और इच्छाओं की पूर्ति में नाटकीय रूप से वृद्धि होगी।
- ⭐ 25 नवंबर को राहु -केतु का गोचर घर, प्रॉपर्टी, माँ और नींव पर ध्यान देगा और करियर के फैसलों में आध्यात्मिक अलगाव देगा।
- ⭐ 12 नवंबर को मंगल सिंह (11वें) में प्रवेश करेगा, जिससे लाभ, प्रमोशन, नेटवर्किंग और सार्वजनिक कार्यक्रमों में तेज़ी आएगी।

तुला राशि

- जनवरी-अप्रैल 2027: ज़िम्मेदारी
- सोशल रिवॉर्ड और आसान फ़ायदों पर ध्यान प्रोफेशनल ड्यूटी और पब्लिक अथॉरिटी की तरफ़ शिफ्ट हो जाता है। एनर्जी "आपको क्या मिलता है" से "आप क्या करते हैं" की तरफ़ जाती है। यह आपके करियर साइकिल का पीक है, जहाँ आपके "कर्म" (काम) पब्लिक स्पॉटलाइट में होते हैं और आपकी लीडरशिप का टेस्ट होता है।
- आप पाएंगे कि आपके ऊपर ज़्यादा ज़िम्मेदारियां और टाइटल आ गए हैं। हो सकता है कि सोशल लाइफ पीछे छूट जाए, लेकिन आपका प्रोफेशनल असर सबसे ज़्यादा होगा। यह समय अपनी विरासत को मज़बूत करने और अपने फील्ड की हायरार्की में अपनी काबिलियत साबित करने का है।
- आपको प्रोफेशनल ड्राइव और घरेलू शांति के बीच बैलेंस बनाना होगा।

वृश्चिक राशि

- वृश्चिक राशि वालों के लिए स्टेबिलिटी, प्रोफेशनल तरक्की, क्रिएटिविटी और ताकतवर कर्मिक बदलावों का साल बन रहा है। शनि के पूरे साल मीन (5वें भाव) में रहने से, बच्चे, क्रिएटिविटी, शिक्षा, सोच-समझकर लिए गए फैसले और इमोशनल एक्सप्रेशन में डिसिप्लिन के साथ बदलाव होगा। 5वें भाव में शनि आपको इमोशनली मैच्योर होने और लंबे समय के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करेगा।

- गुरु 2 जून तक मिथुन (8वें) से, 31 अक्टूबर तक कर्क (9वें) से, और सिंह (10वें) से गुज़रेगा, और 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में जाएगा, जिससे गहरे अंदरूनी बदलाव से किस्मत और फिर करियर में तरक्की का सफ़र तय होगा।

- 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक मंगल कुंभ (4th) में प्रवेश करेगा। इससे घरेलू तनाव, भावनात्मक अस्थिरता और प्रॉपर्टी से जुड़े तनाव बढ़ेंगे। घर में झगड़ों से बचें। मंगल मीन (5th) में जाकर शनि से जुड़ जाएगा। यह कर्म का दौर है — बच्चों के मामले, पढ़ाई, रोमांस और क्रिएटिविटी के लिए सब्र की ज़रूरत है। देरी या ज़िम्मेदारियाँ हो सकती हैं।

- गुरु 8th में रहेगा, जिससे आत्मनिरीक्षण गहरा होगा।

वृश्चिक राशि

- 11 मई से 20 जून तक, मंगल मेष (छठे) में प्रवेश करेगा , जो दुश्मनों को हराने, सेहत सुधारने और काम पूरे करने के लिए एक बहुत अच्छा समय है।
- गुरु 2 जून को कर्क (9वें) में प्रवेश करेंगे, जिससे भाग्य, पिता की भलाई, आध्यात्मिक स्पष्टता और उच्च शिक्षा में वृद्धि होगी।
- मंगल 20 जून से 2 अगस्त तक वृषभ (7वें) में जाएगा , जिससे रिश्तों पर असर पड़ेगा। यह समय शादी और पार्टनरशिप में जोश और गहराई लाएगा। ईगो के टकराव से बचें। 9वें भाव में गुरु होने से भगवान का साथ मिलेगा।
- मंगल मिथुन (8th) में प्रवेश कर रहा है, जिससे अचानक घटनाएँ, मानसिक संवेदनशीलता, रिसर्च कार्य और परिवर्तन आएगा। जोखिम से बचें। शनि 5th-हाउस के मामलों का परीक्षण जारी रखेगा।
- मंगल 18 सितंबर से 12 नवंबर तक कर्क (9वीं) राशि में प्रवेश करेंगे, जो उनकी नीच राशि है। पिता या गुरुओं से बहस करने से बचें और सावधानी से यात्रा करें। गुरु अभी भी 9वें घर के आशीर्वाद से सुरक्षा करते हैं।

mypanchang.com

वृश्चिक राशि

- गुरु 31 अक्टूबर को सिंह (10th) में जाएगा, जिससे करियर में ग्रोथ, लीडरशिप, पहचान और अधिकार के लिए एक बड़ा समय शुरू होगा। 25 नवंबर को राहु -केतु का बदलाव कम्युनिकेशन, धर्म, यात्रा और परिवार में नए कर्म के रास्ते लाएगा। मंगल 12 नवंबर को सिंह (10th) में जाएगा , जिससे करियर सेक्टर में एक शक्तिशाली गुरु- मंगल अलाइनमेंट बनेगा।
- जनवरी-अप्रैल 2027: ज्ञान, प्रोफेशनल कामयाबी की चाहत हायर लर्निंग और भगवान की कृपा की तरफ शिफ्ट हो जाती है। फोकस "मेहनत" से "किस्मत" (भाग्य) की तरफ शिफ्ट हो जाता है। यह स्पिरिचुअल ग्रोथ का समय है, जहाँ मेंटर, पिता या स्पिरिचुअल गाइड आपको आगे बढ़ने के लिए ज़रूरी डायरेक्शन देते हैं।
- यह समय लंबी दूरी की तीर्थ यात्राओं और ज्ञान से जुड़ी चीज़ों के लिए अच्छा है। ज़िंदगी को लेकर आपका नज़रिया ज़्यादा फ़िलॉसफ़िकल हो जाता है, और आप पाते हैं कि मुश्किलें सिर्फ़ कड़ी मेहनत से नहीं, बल्कि "धर्म" से भी दूर होती हैं। यह उन लोगों के लिए बहुत फ़ायदेमंद समय है जो सच और ज्ञान की तलाश में हैं।
- घर पर फोकस क्रिएटिविटी, इंटेलिजेंस और रोमांस पर शिफ्ट हो जाता है। आपकी "अग्नि" (आग) सट्टेबाज़ी से होने वाले फ़ायदों और क्रिएटिव कामों को बढ़ावा देती है, जिससे आपका मेंटल आउटपुट बहुत तेज़ और प्रोडक्टिव बनता है।

धनु राशि

- धनु राशि वालों के लिए, 2026 गहरे अंदरूनी बदलाव, इमोशनल रीइवैल्यूएशन, घर को फिर से बनाने और बाद में, किस्मत, धर्म और बड़े मकसद में मज़बूती से बढ़ोतरी का साल है। पूरे साल शनि के मीन (चौथे भाव) में गोचर करने से , इमोशनल ज़िंदगी, घर, प्रॉपर्टी के मामले और माँ की सेहत सेंटर में रहेगी। यह अंदरूनी सफाई का एक कर्म का समय है—पुराने इमोशनल बोझ से अलग होना और एक मज़बूत नींव बनाना।
- गुरु 2 जून तक मिथुन (7वें) से, 31 अक्टूबर तक कर्क (8वें) से, और फिर सिंह (9वें) से गुज़रेगा, और 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में चला जाएगा। रिश्तों पर फोकस ⟶ इमोशनल उथल-पुथल ⟶ आध्यात्मिक उन्नति से आगे बढ़ने का यह साल कैसा रहेगा, यह बताता है।
- मंगल 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक कुंभ (3rd) में प्रवेश करेगा—हिम्मत, लिखने, छोटी यात्रा और बातचीत के लिए बहुत अच्छा समय है। भाई-बहनों पर ध्यान देने की ज़रूरत हो सकती है। 3rd में राहु बहादुरी और पहल करने की क्षमता को बढ़ाता है।
- 2 अप्रैल से 11 मई तक, मंगल मीन (4th) में जाएगा , शनि से जुड़ जाएगा । यह एक सेंसिटिव फेज़ है: घरेलू तनाव, प्रॉपर्टी की चुनौतियाँ, परिवार में गलतफहमियाँ और इमोशनल स्टेबिलिटी में कमी आ सकती है। रियल-एस्टेट से जुड़े बड़े फैसले लेने से बचें। गुरु अभी भी 7th-हाउस पार्टनरशिप में मदद करता है।

धनु राशि

- मंगल 11 मई से 20 जून तक मेष (5वें) में प्रवेश करेगा —रोमांस, क्रिएटिविटी, बच्चों और पर्सनल एक्सप्रेशन के लिए बहुत अच्छा समय है। गुरु 2 जून को कर्क (8वें) में प्रवेश करेगा, जिससे विरासत, अचानक होने वाली घटनाओं, सर्जरी या इमोशनल सफाई के लिए कर्म का दौर आएगा। जोखिम से बचें।
- मंगल 20 जून को वृषभ (6th) में प्रवेश करेगा , जिससे यह समय दुश्मनों को हराने, सेहत सुधारने और काम पूरे करने के लिए बहुत अच्छा रहेगा। 29 जून–23 जुलाई तक वक्री रहने वाला बुध कॉन्ट्रैक्ट साइन करने से सावधान करता है। 8th में गुरु इमोशनल गहराई बढ़ाता है।
- मंगल 2 अगस्त से 18 सितंबर तक मिथुन (7वें) में जाएगा—जिससे शादी और पार्टनरशिप में गहराई आएगी। इससे जोश और झगड़ा दोनों हो सकते हैं। 8वें भाव में गुरु इमोशनल ईमानदारी और पुराने ज़ख्मों को भरने में मदद करता है।
- मंगल की कमजोरी के कारण बहुत ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है। जोखिम, सर्जरी (जब तक ज़रूरी न हो), झगड़े और बिना सोचे-समझे किए गए कामों से बचें। इमोशनल सेंसिटिविटी बढ़ेगी। 8वें भाव में गुरु होने से आध्यात्मिक विकास में मदद मिलेगी।

mypanchang.com

धनु राशि

- गुरु सिंह (9वें) में प्रवेश करेगा, जिससे भाग्य, पिता, धर्म, उच्च शिक्षा और किस्मत में बहुत सुधार होगा। 25 नवंबर को राहु -केतु का परिवर्तन धन, परिवार, वाणी में लाभ देगा, केतु से कर्क (8वें) में प्रवेश: आध्यात्मिक गहराई, वैराग्य।
- मंगल सिंह (9वें) में प्रवेश करेगा , जो साहस, लंबी दूरी की यात्रा, आशीर्वाद लेकर आयेगा।
- जनवरी-अप्रैल 2027: आसान कृपा और विस्तार का समय गहरे बदलाव और छिपी हुई रिसर्च की ओर बढ़ता है। फोकस "विश्वास" से "अनुभव" की ओर जाता है, जिसमें अक्सर अचानक बदलाव या रहस्यमयी और मनोवैज्ञानिक गहराई के प्रति आकर्षण शामिल होता है। यह जॉइंट फाइनेंस और विरासत को संभालने का समय है।
- हालांकि यह फेज़ बहुत मुश्किल लग सकता है, लेकिन इससे पर्सनल डेवलपमेंट में बहुत ज़्यादा बढ़ोतरी होती है। आपको ऐसे छिपे हुए टैलेंट या रिसोर्स मिल सकते हैं जो पहले नहीं थे। यह " गूढ़" (सीक्रेट) ज्ञान का समय है जहाँ आप ज़िंदगी के रहस्यों को मज़बूती से समझना सीखते हैं।
- आराम से अनुशासन में रहकर काम करने और मुश्किलों को पार करने का मौका मिलता है। यह एक ताकतवर " शत्रु - जय" फेज़ है जहाँ आप कॉम्पिटिशन को हराते हैं, कर्ज़ चुकाते हैं, और लंबे समय से चली आ रही सेहत या काम की दिक्कतों को सुलझाते हैं।

मकर राशि

- मकर राशि वालों के लिए, 2026 मज़बूत कम्युनिकेशन ग्रोथ, फ़ैमिली हीलिंग, बढ़ती हिम्मत और बड़ी प्रोफ़ेशनल तरक्की का साल है—खासकर साल के आखिर में। पूरे साल शनि के मीन (तीसरे भाव) में रहने से , आपको हिम्मत, फ़ोकस, एम्बिशन और डिसिप्लिन्ड सोच मिलेगी। तीसरे भाव में शनि स्ट्रक्चर्ड कोशिश, ट्रैवल, राइटिंग और स्किल डेवलपमेंट के लिए बहुत सपोर्टिव है।
- गुरु 2 जून तक मिथुन (6th) से, 31 अक्टूबर तक कर्क (7th) से, और फिर सिंह (8th) से गुज़रेगा, और 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में जाएगा। ये चरण स्वास्थ्य, रिश्तों, पार्टनरशिप और आध्यात्मिक विकास पर असर डालते हैं।
- 2 अप्रैल से 11 मई तक, मंगल मीन (3) में प्रवेश करेगा — हिम्मत, लिखने, कम्युनिकेशन प्रोजेक्ट्स और बिज़नेस की पहल के लिए बहुत अच्छा है। गुरु सेहत और रोज़ाना के काम में मदद करता है।
- 20 जून–2 अगस्त: मंगल मेष (चौथे) में जाएगा —घर में तनाव, प्रॉपर्टी के मामले और इमोशनल सेंसिटिविटी। घरेलू मामलों को ध्यान से संभालें। गुरु 2 जून को कर्क (सातवें) में जाएगा, जिससे शादी, पार्टनरशिप, डिप्लोमेसी और बातचीत में बढ़ोतरी होगी।
- 2 अगस्त–18 सितंबर: मंगल वृषभ (5वें) में जाएगा —क्रिएटिविटी, बच्चों, रोमांस और सट्टेबाज़ी में सुधार के लिए बहुत अच्छा है। 29 जून–23 जुलाई को बुध का वक्री होना जोखिम भरे निवेश के खिलाफ चेतावनी देता है।

मकर राशि

- 8 सितंबर–12 नवंबर: कर्क (7th) में मंगल की कमज़ोरी के कारण पार्टनरशिप में धैर्य की ज़रूरत है। बहस से बचें; डिप्लोमैटिक रहें। गुरु भी 7th में होने से बैलेंस की ज़रूरत बढ़ जाती है।
- गुरु सिंह (8वें) में प्रवेश करेगा, जिससे आध्यात्मिक गहराई बढ़ेगी। अचानक लाभ हो सकता है। 25 नवंबर को राहु -केतु का परिवर्तन आपको उच्च महत्वाकांक्षा, परिवर्तन देगा। केतु कर्म संबंध बनाता है। यह पहचान, विवाह और जीवन की दिशा के लिए महत्वपूर्ण है।
- मंगल सिंह (8वें) में प्रवेश: अंदर से मज़बूत इच्छा, रिसर्च पर ध्यान, इमोशनल बदलाव।
- JAN–APR 2027: कनेक्शन: अंदरूनी बदलाव और मुश्किलों पर फोकस पार्टनरशिप और पब्लिक रिलेशन की तरफ शिफ्ट हो जाता है। आप "छिपे हुए" से "दिखने वाले" की तरफ बढ़ते हैं, क्योंकि जीवनसाथी, बिज़नेस पार्टनर या आम लोगों के साथ आपकी बातचीत आपकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का मुख्य आकर्षण बन जाती है। पर्सनल लड़ाई की चाहत पब्लिक रिलेशन और डायनामिक पार्टनरशिप की तरफ बढ़ती है। सफलता अब सहयोग और शादी या बिज़नेस अलायंस में अपनी मज़बूत एनर्जी को बैलेंस करने पर निर्भर करती है।
- यह सामाजिक मेलजोल और कानूनी कॉन्ट्रैक्ट के लिए सबसे अच्छा समय है। आपकी सफलता अब अकेले की यात्रा नहीं है; यह आपके रिश्तों की क्वालिटी में दिखती है। यह " सम्यग " (मिलन) का एक दौर है, जहाँ बैलेंस और डिप्लोमेसी सबसे बड़े इनाम लाते हैं।

कुंभ राशि

- कुंभ राशि वालों के लिए 2026 पहचान, पैसे, हिम्मत और इमोशनल ग्राउंडिंग में बड़े बदलाव का साल है। शनि के पूरे साल मीन (दूसरे भाव) में रहने से , आप एक ऐसे कर्म के दौर में आ जाएँगे जो फाइनेंस, वाणी, परिवार की ज़िम्मेदारियों और लंबे समय की सुरक्षा को प्रभावित करेगा। शनि का अनुशासन ज़्यादा सोच-समझकर फाइनेंशियल फैसले लेने, सावधानी से बोलने और परिवार के सदस्यों के प्रति ज़्यादा ज़िम्मेदारियों को बढ़ावा देता है।
- गुरु 2 जून तक मिथुन (5वें) से, 31 अक्टूबर तक कर्क (6वें) से, और सिंह (7वें) से होकर 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में प्रवेश करेगा। ये परिवर्तन आपकी बुद्धि, रचनात्मकता, रोमांटिक जीवन, दैनिक दिनचर्या, सेवा कर्म, स्वास्थ्य और साझेदारी को आकार देंगे।
- 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक, मंगल कुंभ (लग्न) में प्रवेश करेगा—यह एक शक्तिशाली लेकिन अस्थिर गोचर है। आत्मविश्वास, ऊर्जा और महत्वाकांक्षा तेज़ी से बढ़ेगी, लेकिन आवेग और गुस्सा भी बढ़ सकता है। बेवजह के झगड़ों से बचें।
- मंगल 2 अप्रैल को मीन (2nd) में प्रवेश करेगा , शनि से जुड़कर । वाणी तीखी, भावुक या रिएक्टिव हो जाएगी। परिवार की ज़िम्मेदारियाँ बढ़ेंगी। बहस से बचें, और खर्च पर ध्यान दें। गुरु अभी भी 5th में है, जो क्रिएटिविटी और भाग्य की रक्षा करता है।

कुंभ राशि

- 11 मई से 20 जून तक, मंगल मेष (3) में प्रवेश करेगा —हिम्मत, पहल, लिखने, बातचीत और छोटी यात्रा के लिए बहुत अच्छा समय। भाई-बहनों को फ़ायदा होगा। यह एक प्रोडक्टिव और पॉज़िटिव समय है।
- गुरु 2 जून को कर्क (छठी राशि) में प्रवेश करेगा, जिससे कर्म का दौर शुरू होगा जो स्वास्थ्य, दिनचर्या और सेवा से जुड़े कामों को प्रभावित करेगा।
- मंगल 20 जून से 2 अगस्त तक वृषभ (चौथे) में जाएगा , जिससे घर और इमोशनल स्टेबिलिटी पर असर पड़ेगा। प्रॉपर्टी से जुड़े मामले सामने आएंगे। घरेलू झगड़ों को शांति से सुलझाने की ज़रूरत पड़ सकती है। 29 जून से 23 जुलाई तक बुध का वक्री होना यात्रा और प्लानिंग को मुश्किल बना देगा।
- मंगल 2 अगस्त से 18 सितंबर तक मिथुन (5th) में प्रवेश करेगा—क्रिएटिविटी, बच्चों, रोमांस, सट्टेबाज़ी और खुद को एक्सप्रेस करने के लिए बहुत अच्छा समय है। हालांकि, जोखिम भरे फ़ैसले लेने से बचें। 6th में गुरु होने से हेल्थ को लेकर अनुशासन की ज़रूरत है।
- 18 सितंबर–12 नवंबर: मंगल कर्क (6th) में प्रवेश करेगा – जो उसकी कमज़ोरी की राशि है – जिससे सेहत, पाचन, तनाव और काम के दबाव में उतार-चढ़ाव आएगा। नौकरी में झगड़ों से बचें। 6th में गुरु सेवा, हीलिंग और टाइम मैनेजमेंट को बढ़ावा देता है।

mypanchang.com

कुंभ राशि

- 31 अक्टूबर से: गुरु सिंह राशि में प्रवेश करेगा , जिससे शादियों और कॉन्ट्रैक्ट में तालमेल और ज़्यादा मौके मिलेंगे। 12 नवंबर से: मंगल सिंह राशि में शामिल होगा , जिससे पार्टनरशिप में तेज़ी और नई साफ़गोई आएगी। 25 नवंबर, 2026 से: राहु -केतु का यह बदलाव इमोशनल कन्फ्यूजन को दूर करेगा, आध्यात्मिक गहराई और रूटीन की सफ़ाई को बढ़ावा देगा।
- JAN–APR 2027: सेवा: सामाजिक मेलजोल पर ध्यान अनुशासन, कॉम्पिटिशन और रोज़ाना की सेवा की ओर शिफ्ट हो जाता है। एनर्जी "पार्टनरशिप" से "प्रॉब्लम सॉल्विंग" की ओर जाती है। यह फोकस्ड, रूटीन कोशिश के ज़रिए "अरी" (दुश्मन), " रोग " (बीमारी), और ”ऋण" (कर्ज़) पर काबू पाने का समय है।
- आप खुद को डिटेल्ड काम और एडवोकेसी में ज़्यादा शामिल पाएंगे। हालांकि यह संघर्ष का समय लग सकता है, लेकिन असल में यह वह समय है जब आप अपनी स्किल्स को बेहतर बनाते हैं और कॉम्पिटिटर्स को हराते हैं। सफलता हेल्थ और वर्क एथिक्स पर ध्यान देने से मिलती है।
- गुढ (छिपी हुई) एनर्जी का समय है , जिसमें जॉइंट फाइनेंस या गहरा साइकोलॉजिकल विकास शामिल है।

मीन राशि

- मीन राशि वालों के लिए , 2026 बदलाव, खुद को मज़बूत बनाने, कर्मों की समझ और अंदर की स्थिरता में सुधार का साल है। पूरे साल शनि के मीन (लग्न) में रहने से , यह साढ़ेसाती-जन्म शनि का पीक होगा । यह गहराई, आत्मनिरीक्षण, सेहत का ध्यान, ज़िम्मेदारी और असलियत का एहसास लाता है। हालाँकि, यह चरित्र और आध्यात्मिक ताकत भी बनाता है।
- गुरु 2 जून तक मिथुन (4th) से, 31 अक्टूबर तक कर्क (5th) से, और सिंह (6th) से गुज़रेगा, और 24 जनवरी 2027 को वापस कर्क में जाएगा, जिससे इमोशनल हीलिंग, क्रिएटिविटी, इंटेलिजेंस और डेली रूटीन को गाइड करेगा।
- 23 फरवरी से 2 अप्रैल तक मंगल कुंभ (12वें) में प्रवेश करेगा—कम ऊर्जा, ज़्यादा खर्च, और आध्यात्मिक वापसी की ज़रूरत होगी। नींद में उतार-चढ़ाव हो सकता है। गैर-ज़रूरी यात्रा से बचें।
- मंगल 2 अप्रैल से 11 मई तक मीन (लग्न) में जाएगा —यह एक शक्तिशाली पुनर्जन्म का दौर है। एनर्जी बढ़ती है, कॉन्फिडेंस वापस आता है, और आपकी पर्सनैलिटी काफी मजबूत होती है। गुरु अभी भी चौथे भाव में है जो इमोशनल स्टेबिलिटी को सपोर्ट करता है।
- मंगल 11 मई से 20 जून तक मेष (2nd) में प्रवेश करेगा , जिससे वाणी, पारिवारिक मामलों और फाइनेंस में ऊर्जा आएगी। कठोर शब्दों से बचें। गुरु 2 जून को कर्क (5th) में प्रवेश करेगा, जिससे क्रिएटिविटी, बच्चों, शिक्षा, रोमांस और बुद्धि में आशीर्वाद मिलेगा।

मीन राशि

- मंगल 20 जून को वृषभ (3rd) में प्रवेश करेगा, जिससे साहस, कम्युनिकेशन और ट्रैवल बढ़ेगा। यह लिखने, मार्केटिंग और एंटरप्रेन्योरशिप के लिए एक बेहतरीन समय है। बुध का रेट्रोग्रेड ट्रैवल प्लानिंग में सावधानी बरतता है।
- 2 अगस्त–18 सितंबर: मंगल मिथुन (चौथे) में प्रवेश करता है—घर, माँ, संपत्ति और भावनात्मक स्थिरता पर ध्यान केंद्रित होता है। थोड़ा तनाव या बेचैनी हो सकती है, लेकिन पंचम में गुरु सुरक्षा करता है।
- मंगल 18 सितंबर से 12 नवंबर तक कर्क (5th) राशि में जाएगा – यह उसकी कमज़ोर राशि है। इमोशनल सेंसिटिविटी बढ़ेगी; बच्चों या रोमांटिक मामलों में ईगो से भरे फ़ैसले लेने से बचें। लेकिन उसी घर में गुरु बैलेंस और आशीर्वाद लाता है।
- 31 अक्टूबर, 2026 से – सिंह राशि में गुरु (छठा): हीलिंग, अनुशासित रोज़ाना के काम और समर्पित सेवा के लिए एक शक्तिशाली चरण।
- 12 नवंबर से – सिंह में मंगल (6वां): हाई प्रोडक्टिविटी को बढ़ाता है और हेल्थ रिकवरी के लिए एनर्जी देता है।
- 25 नवंबर से – राहु -केतु का गोचर: मकर (11वें) में राहु फाइनेंशियल फायदे देता है, जबकि कर्क (5वें) में केतु स्पिरिचुअल क्रिएटिविटी को बढ़ाता है।

मीन राशि

- JAN–APR 2027: सेलिब्रेशन: रोज़ के काम और झगड़े खुशी, क्रिएटिविटी और समझदारी की ओर शिफ्ट हो जाते हैं। फोकस "स्ट्रगल" से "मेरिट" की ओर जाता है। यह रोमांस, बच्चों और सट्टे में सफलता के लिए बहुत अच्छा समय है, क्योंकि पिछले फेज़ का बोझ कम हो जाता है।
- आपकी मेंटल क्लैरिटी और क्रिएटिव आउटपुट अब तक के सबसे ऊंचे लेवल पर हैं। यह "पूर्व-पुण्य" का समय है, जब आपके पिछले अच्छे काम अचानक मौकों और खुशी के रूप में सामने आते हैं। यह फेज़ आपकी इंटेलिजेंस और आपके आस-पास के लोगों के प्यार का आनंद लेने के बारे में है।
- इंटेंसिटी ज़्यादा ज्ञान और "धार्मिक" काम की तरफ़ शिफ्ट होती है। आपकी एनर्जी अब कृपा और किस्मत ("भाग्य") से गाइड होती है, जो ज़्यादा सीखने, मेंटरशिप और सच्चाई की खोज में मदद करती है।

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया,
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुख भागभवेत।
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः

पंडित महेश शास्त्रीजी

द्वारा तैयार

पंचांग गणितज्ञ और पंचांग सिद्धांती

सिएटल, वाशिंगटन, संयुक्त गणराज्य अमेरिका

mypanchang.com